CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 53 ता. 19 अगस्त 2021, गुरूवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो।9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त खबरें

सुनंदा पुष्कर मौत मामले में कांग्रेस नेता शशि थरूर बरी

नई दिल्ली। पत्नी सुनंदा पुष्कर की मौत मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को कांग्रेस नेता शशि थरूर को बरी कर दिया है। बता दें कि शशि थरूर को दिल्ली पुलिस ने आईपीसी की धारा 498 अ (पति या उसके रिश्तेदार द्वारा अत्याचार) और धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत आरोपी बनाया था। वहीं फैसला पक्ष में आने के बाद थरूर ने न्यायाधीश को धन्यवाद दिया और कहा कि यह पिछले साढ़े सात साल से एक पूर्ण यातना थी और अब उन्हें राहत मिली है। दलीलों के दौरान, जबकि पुलिस ने 306 (आत्महत्या के लिए उकसाने) सहित विभिन्न आरोप तय करने की मांग की तो थरूर की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विकास पाहवा ने अदालत को बताया कि एसआईटी द्वारा की गई जांच में राजनेता के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले और उन्हें सभी आरोपों से पूरी तरह से बरी कर दिया है। बता दें कि इससे पहले बीते 27 जुलाई को भी सुनवाई हुई थी लेकिन शशि थरूर की ओर से एक ताजा आवेदन देते हुए मामले में कुछ और कागजात पेश करने की इजाजत मांगने के चलते फैसले को 18 अगस्त तक के लिए टाल दिया गया था। बिजनेस में अलग पहचान बना चुकीं सुनंदा पुष्कर का नाम चर्चा में तब आया जब 2010 में उनकी शादी कांग्रेस नेता शशि थरूर से हुई। शादी के बाद दोनों खुलकर मीडिया के सामने आते थे। गौरतलब है कि सुनंदा पुष्कर दिल्ली के एक फाइव स्टार होटल में 17 जनवरी 2014 की रात को मृत पाई गई थीं। पुष्कर की मौत के बाद उनके पति शशि थरूर के ऊपर मानसिक उत्पीड़न करने और हत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा था।

बेटियों को मिला एक और अधिकार

अब लड़कियां दे सकेंगी एनडीए की परीक्षा, सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में महिला अभ्यर्थियों को एनडीए परीक्षा में बैठने की अनुमति देने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने बुधवार को सेना को फटकार लगाई। सुनवाई के दौरान सेना ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि यह एक नीतिगत निर्णय है, जिस पर जस्टिस संजय किशन कौल और हृषिकेश रॉय की खंडपीठ ने कहा कि यह नीतिगत निर्णय "लिंग भेदभाव" पर आधारित है। जिसके बाद कोर्ट ने अपना अंतरिम आदेश पारित करते हुए महिलाओं को 5 सितंबर को होने वाली राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) परीक्षा में शामिल होने की अनुमति देने के निर्देश दिए और कहा कि दाखिले कोर्ट के अंतिम आदेश के अधीन होंगे। याचिका में कहा गया है कि 10+2 स्तर की शिक्षा रखने वाली पात्र महिला अभ्यर्थियों को उनके लिंग के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और नौसेना अकादमी परीक्षा देने के अवसर नहीं दिया जाता है। जबकि, समान रूप से 10+2 स्तर की शिक्षा प्राप्त करने वाले पुरुष अभ्यर्थियों को परीक्षा देने और अर्हता प्राप्त करने के बाद भारतीय सशस्त्र बलों में स्थायी कमीशंड अधिकारी के रूप में नियुक्त होने के लिए प्रशिक्षित होने के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल होने का अवसर मिलता है। यह सार्वजनिक रोजगार के

मामलों में अवसर की समानता के मौलिक अधिकार और लिंग के आधार पर भेदभाव से सुरक्षा के मौलिक अधिकार का स्पष्ट उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने सेना को फटकार लगाते हुए कहा कि आपको हर बार आदेश पारित करने के लिए न्यायपालिका की आवश्यकता क्यों है। आप न्यायपालिका को आदेश देने के लिए बाध्य कर रहे हैं। यह बेहतर है कि आप (सेना) अदालत के आदेशों को आमंत्रित करने के बजाय इसके लिए ढांचा तैयार करें। हम उन लड़कियों को एनडीए परीक्षा में बैठने की अनुमति दे रहे हैं जिन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया है। इसके साथ ही पीठ ने महिला उम्मीदवारों के खिलाफ "लगातार लैंगिक भेदभाव" पर भारतीय सेना को फटकार लगाई और यह भी कहा कि भारतीय नौसेना और वायु सेना ने पहले ही प्रावधान कर दिए हैं, लेकिन भारतीय सेना अभी भी पीछे है।

तालिबान ने तोड़ा वायदा

■ तालिबान ने काबुल एयरपोर्ट पर महिलाओं और बच्चों पर किया हमला

काबुल। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के साथ ही एक सबसे बड़ा डर यही उपजा कि अब देश में एक बार फिर से महिलाओं को गुलाम बनकर रहना होगा, उन्हें पढ़ने, काम करने का अधिकार तक नहीं मिलेगा। हालांकि, तालिबान ने यह वादा किया कि इस बार उनके शासन में महिलाओं के अधिकारों का सम्मान किया जाएगा लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। काबुल से सामने आई तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि तालिबानियों ने देश छोड़ने के इरादे से हवाईअड्डे आने वाली महिलाओं और बच्चों पर नुकीले-धारदार हथियारों से वार किया है। तालिबानी लड़ाकों ने एयरपोर्ट से भीड़ को वापस भेजने के लिए फायरिंग भी की थी। लॉस एंजिलिस टाइम्स के रिपोर्टर मार्कस यैम ने ट्विटर पर कुछ तस्वीरें ट्वीट की हैं और दावा किया है कि तालिबानियों के हमले में कई लोग घायल हुए हैं। फॉक्स न्यूज ने एक वीडियो जारी कर यह दावा किया है कि तालिबान लड़ाके काबुल और अन्य जगहों की सड़कों पर घूम रहे हैं और पूर्व-सरकारी कर्मचारियों की तलाश में जुटे हैं। इस दौरान वे कई जगह फायरिंग भी कर रहे हैं। चैनल ने यह भी दावा किया है कि तालिबान ने तखर प्रांत में मंगलवार को एक महिला को सिर्फ इसलिए मौत के घाट उतार दिया क्योंकि वह घर से बाहर बिना सिर ढंके दिखी थी। काबुल पर कब्जे के बाद पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में तालिबान ने कहा कि वे 1996-2001 के बीच अपने पिछले शासन की तुलना में इस बार नरमी से कानून लागू करेंगे। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने कहा, 'हमें अंदर या बाह कोई दुश्मन नहीं चाहिए।' जबीउल्ला ने यह भी कहा कि महिलाओं को काम करने और पढ़ने का अधिकार मिलेगा। समाज में उनकी सक्रियता भी रहेगी लेकिन शरिया कानून के अनुसार। स्थानीय मीडिया की कई रिपोर्टों में इससे उलट यह दावा किया जा रहा है कि तालिबान के बढ़ते प्रभाव के बीच बहुत सी महिलाओं को उनके दफ्तरों ने नौकरी छोड़ने का आदेश दिया है।

लाहौर में महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा तोड़े जाने से भड़के भाजपाई

नई दिल्ली। लाहौर में महाराजो रणजीत सिंह की प्रतिमा को तोड़े जाने की घटना को लेकर बुधवार को दिल्ली प्रदेश भाजपा ने पाकिस्तान हाईकमिशन के सामने विरोध प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। भाजपा के दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि लाहौर में महाराजो रणजीत सिंह की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने वाले हमलावरों की गिरफ्तारी होनी चाहिए। मालूम हो कि लाहौर में कुछ दिनों पहले महाराजो रणजीत सिंह की प्रतिमा को हमलावरों ने तोड़ दिया था। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) संगठन से जुड़े एक व्यक्ति पर प्रतिमा तोड़ने का आरोप लगा है। लाहौर किले के बाहर बनी इस प्रतिमा का अनावरण जून 2019 में किया गया था। तब से लेकर अब तक ये तीसरी घटना है जब इस प्रतिमा के साथ तोड़फोड़ की गई है। इससे पहले दो बार और प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया गया है। इस घटना का जो ताजा वीडियो सामने आता है उसमें सफेद कुर्ता-पायजामा और टोपी पहने एक शख्स नजर आ रहा है। वो इस प्रतिमा को तोड़ रहा है। प्रतिमा पर हमला करते समय शख्स नारे भी लगा रहा है। हालांकि, वहां मौजूद लोगों ने शख्स को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) पाकिस्तान की एक राजनीति पार्टी है। 2015 में इस पार्टी का गठन किया गया था।

आगरा: जामा मस्जिद में ध्वजारोहण के विरोध के मामले में

मुफ्ती के खिलाफ मुकदमा, ऑडियो वायरल

आगरा। शाही जामा मस्जिद के अंदर ध्वजारोहण और राष्ट्रगान पर शहर मुफ्ती का विरोध जताने वाला ऑडियो सामने आने के बाद बुधवार को मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इससे पहले मंगलवार को अखिल भारत हिंदू महासभा ने थाना मंटोला और राष्ट्रीय हिंदू परिषद भारत ने कलक्ट्रेट में एसएसपी ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किया था और तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई की मांग की थी। मुकदमा इस्लामिया लोकल एजेंसी से मिली तहरीर के आधार पर दर्ज हुआ है। महासभा की प्रांतीय अध्यक्ष मीना दिवाकर ने तहरीर दी थी। तहरीर में कहा कि 15 अगस्त को शहर की जामा मस्जिद में ध्वजारोहण के संबंध में 16 अगस्त को दो ऑडियो वायरल हुए, जिसमें शहर मुफ्ती और एक अन्य व्यक्ति ध्वजारोहण करने वाले इस्लामियां लोकल एजेंसी के चेयरमैन असलम कुरैशी को ऐसा नहीं करने की बात बोल रहे हैं। गलत शब्दों का भी प्रयोग कर रहे हैं। शहर मुफ्ती एवं अन्य ने ऑडियो में झंडा फहराना एवं राष्ट्रगान गाना, भारत माता की जय के बारे में गलत शब्दों का प्रयोग के साथ-साथ इसको हराम बताया है। भारत में रहकर तिरंगे को लहराने, राष्ट्रगान गाने और भारत माता की जय बोलना हराम बताना, तिरंगे के खातिर शहीद हुए जवानों का भी अपमान है। यह राष्ट्रद्रोह एवं रासुका की श्रेणी में आता है। आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। शहर मुफ़्ती मजदुल खूबैब रूमी का मंगलवार को एक और ऑडियो जारी हुआ है। इसमें उन्होंने कहा है कि मस्जिद के भीतर सियासी प्रोग्राम नहीं करने को कहा था। असलम ने गलत बयानी की है। वह मुझे मुफ़्ती पद से नहीं हटा सकते हैं। उन्हें कोई अधिकार नहीं है।

मिशन 2022: भाजपा अध्यक्ष की दो टूक

बायोडाटा लेकर न घूमें विधायक, पार्टी खुद देगी टिकट

लखनऊ। भाजपा विधानमंडल दल की बैठक में पार्टी विधायकों और टिकट पाने की आस लगाए बैठे पदाधिकारियों को बड़ा संदेश दे दिया गया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने विधायकों से कहा है कि टिकट के लिए बायोडाटा लेकर न घूमें। पार्टी प्रत्याशियों का चयन खुद कर लेगी। साथ ही उन्होंने विधायकों मंत्रियों को 23 अगस्त से शुरू हो रहे बूथ विजय अभियान में जुटने को कहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विधायकों से कहा कि वे अपने इलाके में विकास के 3-3 करोड़ रुपये तक के काम बता दें उन्हें प्राथमिकता पर कराया जाएगा। भाजपा विधानमंडल दल की बैठक लोकभवन में बैठक हुई। इसमें स्वतंत्र देव सिंह ने विधायकों को नसीहत देते हुए कहा कि वे टिकट पाने के लिए अपना बायोडाटा लेकर यहां वहां न घूमें। पार्टी संगठन को उनकी कार्यशैली, जनसेवा आदि के बारे में पूरी जानकारी है। पार्टी उन्हें टिकट देने के लिए चयन स्वतः करेगी। प्रदेश अध्यक्ष के इस रुख से साफ हो गया है कि पार्टी विधायकों के बड़े पैमाने पर टिकट काटे जाएंगे। पार्टी इसके लिए सर्वे करवा रही है। उन्होंने यह भी हिदायत दी कि पार्टी पदाधिकारी जिलों में पोस्टर-बैनरों

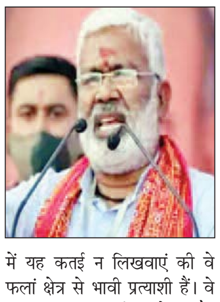

में यह कतई न लिखवाएं की वे फलां क्षेत्र से भावी प्रत्याशी हैं। वे विषय पर चर्चा करें और पदाधिकारियों से अपनी बात कह सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायकों से सत्र के दौरान ज्यादा से ज्यादा संख्या में मौजूद रहने को कहा और यह भी बताया कि विधायक अपने-अपने इलाके में विकास कार्य के लिए तीन-तीन करोड़ के काम बता दें उन कामों को जल्द से जल्द कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विधायकों को सरकार द्वारा किए गए कार्यों के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रचार करने को कहा। साथ ही बूथ विजय अभियान में गंभीरता से जुटने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने सरकार द्वारा आम लोगों के लिए किए गए कल्याणकारी कामों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने विधायकों से विपक्ष के हमलों का पुरजोर तरीके से जवाब देने को भी कहा।

भाजपा मंडल अध्यक्ष को दारोगा और सिपाहियों ने धुना

अलीगढ़। भाजपा के मंडल अध्यक्ष के लाठी-डंडों से पीटे जाने का मामला सामने आया है। किसी और ने नहीं बल्कि दारोगा और सिपाहियों ने भाजपा नेता की पिटाई की है। मामला अतरौली थाना इलाके के जिरौली धूम सिंह चौकी का है। यहां पर चौकी प्रभारी सचिन कुमार और दो सिपाहियों संदीप और नाहर सिंह पर आरोप लगा है। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने फिलहाल तीनों को लाइन हाजिर कर पूरे मामले की जांच एसपी ग्रामीण शुभम पटेल को सौंपी है। बताया जा रहा है कि भाजपा के मंडल अध्यक्ष दिगंबर सिंह का गांव में विवाद हो गया था। इसके बाद दोनों ही पक्ष के लोगों में मारपीट हो गई। पुलिस लड़ने वाले दोनों पक्ष के लोगों को थाने में ले आई। इसके बाद उन लोगों को छुड़ाने पहुंचे दिगंबर सिंह के साथ चौकी इंचार्ज व दो सिपाहियों ने मारपीट की। दिगंबर की पुलिस पिटाई की जानकारी मिलते ही भाजपा कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए और हंगामा करते हुए थाने का घेराव कर लिया।

दिल्ली में बढ़ी टीकाकरण की रफ्तार: 50 लाख युवाओं को लगी वैक्सीन

नई दिल्ली। राजधानी में टीकाकरण की रफ्तार फिर से बढ़ने लगी है। अब तक करीब 50 लाख युवाओं को वैक्सीन लग चुकी है। इनमें 43 लाख को पहली और सात लाख को दूसरी खुराक लगी है। दिल्ली में युवाओं की आबादी 92 लाख है। इस हिसाब से देखें तो टीकाकरण के लिए पात्र युवा आबादी में से 46.59 फीसदी को पहली खुराक लग चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, पिछले 10 दिनों में 12 लाख लोगों को वैक्सीन लगाई गई है।

अब तक कुल एक करोड़ 16 लाख 60 हजार लोगों को टीका लग चुका है। इनमें से 83 लाख 47 हजार को पहली और 33 लाख 13 हजार को दूसरी खुराक लग चुकी है। कुल टीकाकरण में` 45 से अधिक आयुवर्ग के लोगों की संख्या सबसे अधिक है। इसके बाद युवाओं का स्थान है। पिछले 24 घंटे में 1,56, 217 लोगों को वैक्सीन लगाई गई है। जीटीबी अस्पताल के डॉक्टर विनय कुमार का कहना है कि कोरोना की संभावित तीसरी लहर के खतरे को कम करने के लिए अधिक से अधिक लोगों का टीकाकरण होना जरूरी है।

फिलहाल राजधानी में वैक्सीनेशन की रफ्तार ठीक है, हालांकि इसे और बढ़ाना चाहिए।

सपा सांसद के बाद सज्जाद नोमानी ने किया तालिबान का समर्थन

हिंदी मुसलमान आपको सलाम करता है

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के सांसद शफीकुर्रहमान बर्क की ओर से तालिबान का समर्थन किए जाने का विवाद थमा भी नहीं था कि अब ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता ने विवादित टिप्पणी कर दी है। सज्जाद नोमानी ने तालिबान की जीत का स्वागत करते हुए उसे सलाम किया है। एक वीडियो संदेश जारी कर सज्जाद नोमानी ने कहा, '15 अगस्त का दिन इतिहास में दर्ज हो गया है। अफगानिस्तान में तालिबान ने बिना हथियारों और बिना किसी विज्ञान के दुनिया की सबसे बड़ी ताकत को मात दी। उन्होंने काबुल के

राष्ट्रपति भवन में जिस तरह से एंट्री ली, उसमें किसी भी तरह का गुरूर नहीं दिखा। वे नौजवान काबुल की सरजमीं को चूमते दिखे और खुदा का शुक्र अदा किया।' नोमानी ने कहा कि जो कौम मरने के लिए तैयार हो जाए, उसे दुनिया में कोई शिकस्त नहीं दे सकता। नोमानी ने तालिबान को जीत पर मुबारकबाद देते हुए कहा कि दूर बैठा एक हिंदी मुसलमान आपको सलाम करता है। नोमानी ने कहा कि यह पूरी दुनिया ने देख लिया कि आपने लोगों को गले लगा लिया और आम माफी का ऐलान कर दिया। पूरे मुल्क में महिलाओं से किसी भी तरह की बदसलूकी का कोई वाकया नहीं आया। जबकि आप पर इस तरह के आरोप पहले भी लगते रहे हैं। इसके बाद अगले ही दिन बाजार खुल गए और बच्चियां स्कूल जाती नजर आ रही हैं। नोमानी ने कहा कि आपको लंबी कुर्बानियों के बाद मौका मिला है। आपका यह भाई आपके लिए दुआ करता है कि आप दुनिया को दिखा सकें कि इस्लाम इंसाफ का दीन है।

मेरठ: अंधविश्वास में खोई जिंदगी

खरखौदा में युवती ने माता को खुश करने को दी अपनी बलि

मेरठ। खरखौदा में हुई एक सनसनीखेज वारदात से इलाके में दहशत फैल गई। यहां एक युवती ने माता को खुश करने के लिए गांव के ही मंदिर में जाकर अपनी बलि दे डाली। उसने चाकू से अपनी गर्दन काटकर पहले देवी पर खूने चढ़ाया और फिर मंदिर परिसर में ही फांसी लगा ली। मंगलवार देर रात जब एक ग्रामीण मंदिर में घूमने के लिए पहुंचा तो अंदर का दृश्य देखकर घबरा गया। उसने तुरंते ग्रामीणों को सूचित किया। वहीं परिजन भी मौके पर पहुंचे और बिना पुलिस कार्रवाई के युवती का अंतिम संस्कार कर दिया। जानकारी के अनुसार

क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने गांव के ही मंदिर में जाकर माता को खुश करने के लिए अपनी बलि दे डाली। बताया गया कि मंगलवार शाम को युवती मंदिर में गई थी, जहां उसने पूजा करने के लिए पहले दीपक जलाए।

इसके बाद उसने चाकू से अपनी गर्दन काटी और सभी दीयों में अपना खून डाला। उसने देवी पर अपना खून चढ़ाया और फिर फांसी लगा ली। ग्रामीणों के अनुसार मंदिर जंगल की ओर है। ऐसे में कम ही लोग वहां जाते हैं। शाम को गांव का कोई व्यक्ति मंदिर परिसर में गया, तो वहां युवती का शव लटका देखकर गांव वालों को सूचित किया। युवती के बलि देने की सूचना पर गांव में दहशत फैल गई। ग्रामीण व युवती के परिजन मौके पर पहुंचे और शव को नीचे उतारा। जांच-पड़ताल में सामने आया कि युवती ने माता को खुश करने के लिए अपनी बलि दे दी। मंदिर के अंदर एक चाकू और दीपों में खून मिला है। बताया कि मंदिर परिसर में जिस पेड़ से लटकर युवती ने आत्महत्या की, वहां भी चारों ओर खून ही खून पड़ा था। वहीं युवती के परिजन बिना किसी कार्रवाई के शव को अपने घर ले आए और अंतिम संस्कार करा दिया। वहीं इस घटना के बाद से ग्रामीणों में अलग-अलग चचार्एं हैं।

CMYK

सार समाचार

तमिलनाडु ने हाइड्रोकार्बन परियोजनाओं के अध्ययन के लिए 7 सदस्यीय समिति का गठन किया

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने हाइड्रोकार्बन परियोजनाओं की खोज का अध्ययन करने के लिए सात सदस्यीय समिति का गठन किया है, जिसकी अध्यक्षता राज्य विकास नीति परिषद के अंशकालिक सदस्य सुल्तान अहमद इस्माइल करेंगे। पर्यावरण विभाग के एक बयान में कहा गया है कि मंगलवार को गठित समिति को संरक्षित कृषि क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों में अध्ययन करने की स्वतंत्रता होगी क्योंकि संदर्भ की शर्तों को संशोधित किया गया है। अध्ययन कावेरी डेल्टा क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों में आयोजित किया जाएगा और भूजल और यह पर्यावरण पर हाइड्रोफैक्र रिंग जैसी ड्रिलिंग प्रौद्योगिकियों के प्रभाव का आकलन करेगा। समिति इस बात का भी अध्ययन करेगी कि क्या ड्रिलिंग का भूमि पर प्रभाव पड़ेगा और क्या यह अन्वेषण के क्षेत्र के नीचे टेक्टोनिक प्लेटों को अस्थिर करता है। परियोजना का क्षेत्र के लोगों की आजीविका पर पड़ने वाला प्रभाव भी अध्ययन का विषय होगा। अध्ययन कोल बेड मीथेन, पेट्रोलियम, और प्राकृतिक गैस, शेल गैस की खोज के लिए आवश्यक भूजल की मात्रा का उपयोग करेगा और देखा जाएगा कि क्या भूजल के बड़े पैमाने पर चित्रण से इसकी कमी होगी। सतही जल की मात्रा, भूजल, बहते पानी, भूमि की उर्वरता, सिंचाई स्रोतों, फसलों की खेती, वनस्पतियों और जीवों, वायु गुणवत्ता और समुद्री जल घुसपैठ पर रसायनों के प्रभाव का आकलन सात सदस्यीय समिति द्वारा किया जाएगा।

योगी सरकार ने दिवाली पर अयोध्या में 7.5 लाख दीये जलाने का रखा लक्ष्य

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार इस साल दिवाली पर अयोध्या में सरयू नदी के घाटों पर 7.5 लाख दीये (दीपक) जलाएगी। राज्य सरकार ने अपने 2020 के रिकॉर्ड को तोड़ने की योजना बनाई है जब उसने दीपोत्सव के दौरान 5.5 लाख दीये जलाए थे। आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार, पर्यटन विभाग को आयोजन की तैयारी करने और उसी के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। प्रवक्ता ने कहा, मुख्य कार्यक्रम होने से पहले कार्यक्रम के तीन परीक्षण होंगे। अनुमानित रूप से 7,000 स्वयंसेवक दीया जलाने में भाग लेंगे। दिवाली, इस साल 4 नवंबर को पड़ रही है और यह कार्यक्रम एक दिन पहले आयोजित होने की संभावना है।

पीओपी गणेश की मूर्ति खरीदने वालों पर जुर्माना और जेल: गोवा मंत्री

पणजी। राज्य के पर्यावरण मंत्री नीलेश कैबरल ने आगामी गणेश चतुर्थी से पहले प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) की गणेश प्रतिमाओं पर गोवा सरकार की कार्रवाई को लागू करने का वादा किया है। इसके तहत विक्रेता और ग्राहक दोनों को अब भारी जुर्माना भरना होगा या कारावास भी भुगतना होगा। कैबरल ने सचिवालय में मीडिया को बताया, हम बहुत सख्त होंगे। यह आदेश गोवा (राज्य) प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पुलिस विभाग, प्रशासन, कलेक्टर और डिप्टी कलेक्टर के माध्यम से लागू किया जाएगा। हम कानून को पूरी तरह से लागू करेंगे क्योंकि पीओपी विघटित नहीं होता है .. यह एक प्रमुख पर्यावरण उपद्रव बन जाता है। मंत्री ने कहा, इस बार सख्त क्रियान्वयन किया जाएगा और पीओपी की मूर्तियों को बिक्री के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाएगा या यहां तक कि ऐसी मूर्तियों को खरीदने वालों को भी कठिन समय होगा, जिसमें आवश्यकता पड़ने पर जुर्माना या कारावास देना शामिल है। पीओपी मूर्तियों की लागत प्रभावशीलता और पारंपरिक मिट्टी की मूर्तियों पर बेहतर परिष्करण सुनिश्चित करता है कि गणेश चतुर्थी से पहले गोवा में (प्रतिबंध के बावजूद) उनका बाजार बना रहे। हालांकि इसके खतरनाक जिप्सम, सल्फर, फास्फोरस और मैग्नीशियम कंटेंट के साथ-साथ सीसा पेंट धीरे-धीरे विघटित हो जाते हैं और झीलों, तालाबों, नदियों के साथ-साथ जल निकायों के चोक बेड में पानी को जहर देते हैं, जहां मूर्तियों को विसर्जित किया जाता है। गणेश चतुर्थी गोवा में एक महत्वपूर्ण हिंदू धार्मिक त्योहार है और इस साल 10 सितंबर को आयोजित किया जाएगा।

अखिलेश भाजपा की छोड़ सपा की चिंता करें: सिद्धार्थनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रवक्ता और कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के एक ट्वीट के जवाब में कहा है कि वह भाजपा की छोड़ अपनी पार्टी की चिंता करें। कोरी बयानबाजी और दिवास्वप्न से जनता का हितैषी बनने का छलावा करने से ही सपा और गर्त में गिरती जा रही है। बुधवार को जारी एक बयान में सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा, योगी सरकार में सफल इन्वेस्टर्स समिट, इसके जरिये आए 4.68 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव, 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव वाला डिफेंस कॉरिडोर, पांच एक्सप्रेसवे, हर जिले में मेडिकल कॉलेज, कोविड पर विश्व स्वास्थ्य संगठन से सराहना प्राप्त प्रभावी नियंत्रण, पांच अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और पूरे प्रदेश में शानदार एयर कनेक्टिविटी, गन्ने और खाद्यान्न के बदले तय समय में रिकॉर्ड भुगतान, प्रदेशवासियों को निर्बाध बिजली, दशकों से लटकी सिंचाई परियोजनाओं का समय से पूरा करना, केंद्र की 44 योजनाओं में यूपी का नम्बर वन होना, ये सब आपको ((अखिलेश यादव) क्यों नहीं दिखता? आपकी नजर में ये सब प्रदेश की दुर्दशा है तो जनता आपकी बुद्धि की बलिहारी है। कभी अपने गिरेबान में भी झांक लिया करें। आपके शासन काल की तो एक मात्र उपलब्धि अराजकता ही रही है। उसी के नाते जनता ने आपको खारिज कर दिया। चुनाव दर चुनाव खारिज करती आ रही है, आगे भी करेगी। लिहाजा आगामी चुनाव में अपनी और अपने पार्टी की चिंता करें, भाजपा की नहीं। सिद्धार्थनाथ ने कहा कि सच सबको पता है। इसे स्वीकार करने का आपमें साहस नहीं। चुनावों के पहले ही प्रदेश की जनता का मूड-मिजाज आपकी और आपकी पार्टी का भविष्य चीख चीख कर बता रहा है। आप एक श्रीहीन हो चुकी पार्टी के अगुआ हैं। ऐसी पार्टी जो सत्ता में रहते हुए नीतिगत अपंगता की शिकार रही। आने वाले विधानसभा चुनाव में आपकी हार सुनिश्चित है और यह हार इतनी करारी होगी, इसका अंदाजा आपको नहीं है, क्योंकि आप मुगालते में रहते हैं, जनता नहीं।

अफगानिस्तान में तालिबान के वर्चस्व के बाद भारत के लिए पैदा हो सकती हैं कई चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तालिबान का अफगानिस्तान पर पूरी तरह से कब्जा हो गया है। काबुल के संविधानिक संस्थानों में तालिबान के लड़ाकूओ का कब्जा है। इन सबके बीच सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि तालिबान का अफगानिस्तान पर कब्जा के भारत की स्थिति कितनी प्रभावित होगी? क्या अफगानिस्तान में तालिबान की पकड़ भारत के लिए मुसीबत लेकर आएगी? हालांकि सूत्र बता रहे हैं कि तालिबान के वर्चस्व के बाद भारत की चिंता बढ़ गई है। भारत के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री लगातार तालिबान के हालात पर नजर रखे हुए हैं। इन सबके बीच हम आपको यह बता रहे हैं कि तालिबान के वर्चस्व के बाद अब भारत पर क्या असर पड़ सकता है।

रक्षा विशेषज्ञों की मानें तो तालिबान के सत्ता में आने के बाद भारत को व्यापार और सुरक्षा के मोर्चे पर चुनौती मिल सकती है। पिछले करीब 20 सालों में भारत ने अफगानिस्तान में करीब 500 इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं पर पैसे खर्च किए है। अब तालिबान के सत्ता में आने के साथ ही भारत से बन रहे यह प्रोजेक्ट पर ब्रेक लग सकता है। इसके अलावा भारत की ओर से चाबहार प्रोजेक्ट को बड़ी उम्मीदों से देखा जा रहा है। चाबहार बंदरगाह भारत को अफगानिस्तान और ईरान के साथ मध्य एशियाई देशों से जोड़ता है। भारत इसके जरिए अफगानिस्तान के साथ ट्रेड का एक नया रास्ता बनाना चाहता था। अब इसको लेकर भारत को झटका लग सकता है। इसके अलावा भारत को कश्मीर को लेकर भी चिंता हो सकती है। रक्षा विशेषज्ञ इस बात की चिंता लगातार जता रहे हैं कि कश्मीर के सक्रिय आतंकी संगठनों को तालिबानियों से मदद मिल सकती है। पाकिस्तान के आतंकी संगठन जो लगातार भारत में अपने नापाक मिशन को अंजाम देने की कोशिश में रहते है उन्हें अफगानिस्तान में भी ट्रेनिंग दी जा सकती है। भारत की चिंता अफगानिस्तान के अल्पसंख्यकों को लेकर भी है। अफगानिस्तान में हिंदुओं और सिखों की सुरक्षा को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे है। भारत सरकार ने यह दावा किया है कि वह लगातार सिख और हिंदू समुदायों के प्रतिनिधियों से संपर्क में है। लेकिन भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती पाक-चीन-तालिबान का गठजोड़ हो सकता है। यह तीनों भारत के सामने नई चुनौती पैदा कर सकते है। भारत और अफगानिस्तान के संबंध अच्छे रहे हैं। लेकिन अब वहां तालिबान के सत्ता में आ जाने के बाद चीन और पाकिस्तान अपने नापाक हरकतों के जरिए भारत को परेशान कर सकते हैं।

एलपीजी के दाम बढ़ा कर पैसा जुटा रही है मोदी सरकार: प्रियंका वाड्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को तरल पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमत में 25 रुपये की बढ़ोतरी को लेकर मोदी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उज्?जवला योजना का सपना दिखाकर केंद्र सरकार हर महीने एलपीजी की कीमत बढ़ाकर फल-फूल रही है।

प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया कि इस साल 1 जुलाई को केंद्र सरकार ने एलपीजी सिलेंडर के दाम 25 रुपये और 17 अगस्त को फिर से 25 रुपये बढ़ाए हैं। उज्?जवला योजना का सपना दिखाकर कलेक्शन हर महीने एलपीजी के दाम बढ़ाकर भाजपा सरकार की योजना फल-फूल रही है। प्रियंका ने ये टिप्पणी मोदी सरकार द्वारा मंगलवार को एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 25 रुपये की बढ़ोतरी के बाद की, जिसके बाद एक घरेलू सिलेंडर की कीमत अब राष्ट्रीय राजधानी में प्रति घर 859 रुपये होगी। पूरे देश में समान अनुपात में कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। यह लगातार दूसरा महीना है जब तेल कंपनियों ने घरेलू रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी की है। 1 जून को एक घरेलू सिलेंडर की कीमत 809 रुपये थी, जिसे अब 1 जुलाई को बढ़ाकर 834 रुपये कर दिया गया है।

मुस्लिम लॉ पर्सनल बोर्ड ने की तालिबान की तारीफ, कहा- फौजों को दे दी शिकस्त

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान के वर्चस्व के बाद अफरातफरी का माहौल है। महिलाएं डर के साये में जी रही हैं। अफगानी लोग अपना मुल्क छोड़ने के लिए मजबूर हैं। साल 2001 में तालिबान के पतन के साथ देश तरक्की की दिशा की तरफ आगे बढ़ रहा था लेकिन फिर से अफगानिस्तान पर तालिबानियों ने कब्जा कर लिया। इस बार का तालिबान पहले के तालिबान से थोड़ा अलग भी दिखाई दे रहा है।

इसी बीच मुस्लिम लॉ पर्सनल बोर्ड ने तालिबान के समर्थन में टिप्पणी की है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता सज्जाद नोमानी ने कहा कि तालिबान को अफगानिस्तान पर कब्जा करने पर बधाई दी है और कहा है कि एक निहत्थी कौम ने दुनिया की मजबूत फौजों को शिकस्त दे दी है। इस दौरान उन्होंने 15 अगस्त की तारीख पर जोर देते हुए कहा कि अफगानिस्तान की जमीं पर यह तारीख रकम हुई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने कहा कि काबुल के महल में वह लोग दाखिल हो गए हैं। उनके दाखिले का अंदाज पूरी दुनिया ने देखा है। गौरतलब है कि काबुल में तालिबान की एंट्री के साथ ही राष्ट्रपति अशरफ गनी ने अफगानिस्तान छोड़ दिया। हालांकि वो किस मुल्क में हैं इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हुई है लेकिन कहा जा रहा है कि अशरफ गनी ने ओमान में शरण ली है।

चूल्हा, लकड़ी, सिलेंडर के साथ कांग्रेस की महिला नेताओं ने रसोई गैस के दाम घटाने की मांग की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत समेत पार्टी की कई महिला नेताओं ने बुधवार को मिट्टी का चूल्हा, लकड़ी और गैस सिलेंडर के साथ मीडिया से बात की और सरकार से आग्रह किया कि रसोई गैस की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को वापस लेकर आम गृहणियों को राहत प्रदान की जाए। सुप्रिया ने यह आरोप भी लगाया कि गैस सिलेंडर की कीमत में 25 रुपये की ताजा बढ़ोतरी नरेंद्र मोदी सरकार का 'अनैतिक और असंवेदनशील' फैसला है। उनके साथ कांग्रेस नेता अलका लांबा, अमृता धवन और राधिका खेड़ा ने भी रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र पर निशाना साधा। सुप्रिया ने कहा, ''रसोई गैस के दाम में बढ़ोतरी अनैतिक और असंवेदनशील है।

दिल्ली में 860 रुपये का सिलेंडर का बिक रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार के हिसाब से ये सिलेंडर 600 रुपये का बिकना चाहिए, लेकिन मोदी सरकार इसे 860 रुपये का बेच रही है। देश के कई हिस्सों में इसकी कीमत एक हजार रुपये को पार कर गई है।'' उन्होंने दावा किया कि संप्रग सरकार के समय 1.47 लाख करोड़ रुपये की सब्सिडी मिलती थी, लेकिन इस सरकार ने इस सब्सिडी घटाकर 12000 करोड़ रुपये कर दिया है जिस वजह से लोगों को पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ी हुई कीमतों से राहत नहीं मिल पा रही है। सुप्रिया ने कहा, ''उज्ज्वला योजना पर सीना ठोकने वाली सरकार को पता होना चाहिए कि अब महिलाएं फिर से लकड़ी के ईंधन का उपयोग करने का विवश हैं। प्रधानमंत्री को अब महिलाओं के आंसू क्यों नजर नहीं आते?''

अलका लांबा ने आरोप लगाया कि जब वित्त मंत्री कहती हैं कि पेट्रोल-डीजल के दाम कम नहीं हो सकते तो यह लोकतंत्र को सीधी चुनौती देना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कई स्थानों पर महिलाएं मिट्टी के चूल्हे खरीद रही हैं क्योंकि वे गैस सिलेंडर के खर्च का वहन नहीं कर सकतीं। राधिका खेड़ा ने कहा कि सरकार को ये बढ़ी हुई कीमतें वापस लेनी चाहिए क्योंकि जनता महंगाई के बोझ को सहन नहीं कर पा रही है।

भाजपा की 'जन आशीर्वाद यात्रा' तीसरी लहर का निमंत्रण, संजय राउत का बयान

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने बुधवार को दावा किया कि 'जन आशीर्वाद यात्रा' तीसरी लहर का निमंत्रण है। विभिन्न राज्यों में केंद्रीय मंत्री यह यात्रा कर रहें हैं। यहां संवाददाताओं से बातचीत में राउत ने कहा कि उन्होंने भाजपा से धैर्य रखने को कहा है। राज्य सभा सदस्य ने दावा किया, ''जन आशीर्वाद यात्रा तीसरी लहर को निमंत्रण देना है।

भाजपा यह जानबूझ कर रही है।'' केंद्रीय मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद इसमें शामिल भारती पवार, कपिल पाटिल और भागवत कराड इस सप्ताह की शुरुआत से राज्य के विभिन्न हिस्सों में लोगों से संपर्क स्थापित और हाल के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत पर उनका आभार प्रकट करने के लिए 'जन आशीर्वाद यात्रा' कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को देश के शीर्ष पांच मुख्यमंत्री की सूची में एक मीडिया संगठन द्वारा कराए गए सर्वेक्षण में स्थान मिलने से जुड़े सवाल पर राउत ने कहा, ''भाजपा ओपिनियन पोल को खारिज करने की कोशिश कर रही है क्योंकि इस सूची में भाजपा के एक भी मुख्यमंत्री का नाम नहीं है।'' उन्होंने पूछा, ''क्यों इस सूची में एक भी भाजपा का मुख्यमंत्री शामिल नहीं है?'' राउत ने कहा कि अगर सर्वेक्षण के नतीजे उनके पक्ष में होते तो उनके पार्टी कार्यकर्ता 'ढोल' बजाते और उत्सव मनाते। शिव सेना के मुख्य प्रवक्ता ने कहा, '' हम भी कुछ आतिशबाजी करेंगे।''उन्होंने उम्मीद जताया कि आने वाले समय में ठाकरे देश के शीर्ष मुख्यमंत्री बनेंगे।

अनिल देशमुख के विरुद्ध सीबीआई जांच के आदेश को चुनौती देने वाली महाराष्ट्र सरकार की याचिका खारिज

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को महाराष्ट्र सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी से पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण, तैनाती और एक पुलिस अधिकारी की बहाली से संबंधित दो पैराग्राफ हटाने का अनुरोध किया गया था। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने कहा कि वह बंबई उच्च न्यायालय के 22 जुलाई के आदेश में हस्तक्षेप नहीं करना चाहती है। इसके साथ ही पीठ ने याचिका खारिज कर दी। न्यायालय ने कहा कि किन पहलुओं पर जांच होगी यह निर्धारित कर वह केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने के संवैधानिक अदालत के आदेश को कमतर नहीं कर सकता।

पीठ ने कहा, 'सीबीआई को आरोपों के सभी पहलुओं की जांच करनी है और हम उन्हें सीमित नहीं कर सकते। यह संवैधानिक अदालत की शक्तियों को नकारने जैसा है।' पीठ ने कहा कि यह धारणा बनाई जा रही है कि राज्य पुलिस अधिकारियों के तबादलों और तैनाती तथा अतिरिक्त पुलिस निरीक्षक सचिन वाजे की बहाली के पहलुओं पर जांच की अनुमति नहीं देकर पूर्व गृह मंत्री को बचाने की कोशिश कर रहा है। महाराष्ट्र सरकार की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता राहुल चिटनिस ने कहा कि राज्य ने सीबीआई जांच के लिये दी गई सहमति वापस ले ली है और सीबीआई जांच के लिये उच्च न्यायालय का निर्देश बार और रेस्तरां से रुपये लेने के आरोपों तक ही सीमित है न कि पुलिस अधिकारियों के तबादले और तैनाती तथा पुलिस बल में वाजे की बहाली से संबंधित है। उच्च न्यायालय ने 22 जुलाई को कहा था कि महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख और उनके सहयोगियों की सांठगांठ का पता लगाने के लिए सीबीआई मुंबई पुलिस बल में पुलिस कर्मियों के तबादले और तैनाती तथा वाजे की बहाली के मामले में गौर कर सकती है।

बेरोजगार युवाओं के प्रदर्शन में हुआ लाठीचार्ज, कांग्रेस ने साधा निशाना और कहा- मामा कंस का अंत है नजदीक

भोपाल। (एजेंसी)।

राजधानी भोपाल में बेरोजगार युवाओं के प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बर्बरता से लाठीचार्ज किया है। लाठीचार्ज के बाद कई युवाओं को गंभीर चोटें आई है। इस हिंसा के बाद कांग्रेस ने पुलिस की इस बर्बर कार्रवाई की निंदा करते हुए सीएम शिवराज पर निशाना साधा है और कहा है कि मामा कंस का अंत बेहद नजदीक है।

दरअसल सरकारी भर्ती की मांग को लेकर प्रदेश के कई जिलों से युवा बुधवार को राजधानी भोपाल में इकट्ठा हुए थे। सैंकड़ों की संख्या में बेरोजगार युवा का हुजूम नीलम पार्क के पास प्रदर्शन कर रहा था। और इसी दौरान युवाओं का एक जत्था रोशनपुरा चौराहे से नीलम पार्क की ओर पैदल मार्च कर रहा था। जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर युवकों को बेहरहमी से पीटा है।

इसे लेकर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि रोजगार मांग रहे युवाओं को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा जाना बेहद निंदनीय व शर्मनाक है। उन्होंने आगे कहा कि एक लाख रोजगार प्रतिवर्ष देने का दावा करने वाली सरकार की यही हकीकत है। वहीं यूथ कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष विवेक त्रिपाठी ने कहा कि आज शिवराज सरकार का असली चेहरा बेनकाब हो गया है। अपना हक मांग रहे युवाओं पर लाठियां सीएम के इशारे पर चलाई गई। मामा कंस का अंत नजदीक है। वहीं कई युवाओं को गिरफ्तार भी कर लिया है। पुलिसिया कार्रवाई के बाद प्रदर्शनस्थल पर तनाव का माहौल है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि हर साल हजारों की संख्या में सरकारी कर्मचारी रिटायर हो रहे हैं लेकिन सरकार उनकी जगह नई भर्तियां नहीं कर रही है। सरकार की नीतियों के कारण हमारा भविष्य अंधकार में है।

गौरतलब है कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान युवाओं को लेकर बड़ा ऐलान किया था। सीएम ने कहा था कि हमारे पूरे प्रदेश में सीएम राइज स्कूल अलग मॉडल बनेंगे। हमें अर्थव्यवस्था और रोजगार के लिए काम करना है। शिवराज ने कहा कि धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था पटरी पर आ रही है, हमारा संकल्प है। नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर मिले, हर महीने 1 लाख रोजगार हमारे युवाओं को मिल सकें।

शिवसेना ने राज्यपाल कोश्यारी को केंद्रीय गृह मंत्रालय का 'राजनीतिक एजेंट' बताया

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना ने राज्य सरकार की अनुशंसा पर राज्यपाल के कोटे से 12 लोगों को विधान पार्षद के सदस्य के तौर पर नामांकन में देरी के मद्देनजर महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय का 'राजनीतिक एजेंट' करार दिया। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय में कहा गया कि राज्य सरकार ने करीब आठ महीने पहले 12 लोगों के नाम भेजे थे। पार्टी ने तंज कसती हुए टिप्पणियों में कहा, 'राज भवन में दाई को शक दूर करना चाहिए कि उसे प्रसव कराने (संबंधित फाइल पर हस्ताक्षर करने) में कितना समय लगेगा।' संपादकीय में आरोप लगाया गया कि हर कोई खुश था जब कोश्यारी 80 साल की उम्र में सिंहगढ़ किले (पुणे में) पर चढ़ गए थे लेकिन वह 'लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक किले को धराशायी करने' की कोशिश कर रहे हैं। इसने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने पहले ही बताया है कि राज्य के मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को कई बार याद दिलाया है लेकिन 'वह (कोश्यारी) शायद अपनी बढ़ती उम्र के कारण भूल गए होंगे।' शिवसेना ने आरोप लगाया, 'राज्यपाल केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के राजनीतिक एजेंट हैं, यह हमारे लिए सबसे आसान परिहै। उनकी मंशा साफ नहीं है क्योंकि वह अपने कोटा से एमएलसी के तौर पर 12 नामों को मंजूरी नहींदे रहे हैं। वह फाइल पर हस्ताक्षर न करने के लिए साफ तौर पर 'ऊपर' से दबाव में हैं।' मराठी दैनिक ने यह भी कहा कि यह राज्य मंत्रिमंडल द्वारा प्रस्तावों पर हस्ताक्षर करना राज्यपाल का 'संवैधानिक कर्तव्य' है।

सार समाचार

महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा तोड़े जाने से पाकिस्तान में सिख समुदाय नाराज

पेशावर। पाकिस्तान के पेशावर में सिख समुदाय ने कहा है कि लाहौर किला में लगे सिखों के प्रथम शासक महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा की पंजाब प्रांत के अधिकारी अगर रक्षा नहीं कर सकते तो वे प्रतिमा को यहां लाएंगे। प्रतिमा को एक कट्टरपंथी युवक ने तोड़ दिया। प्रतिबंधित तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के एक कार्यकर्ता ने महाराजा रणजीत सिंह की नौ फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा मंगलवार को तोड़ दी। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक वीडियो में दिख रहा है कि वह नारे लगा रहा है, प्रतिमा का हाथ तोड़ रहा है और घोड़े से सिंह की आवक्ष प्रतिमा को गिरा रहा है। पेशावर में सिख समुदाय के नेता गोरपाल सिंह ने मंगलवार को कहा कि पंजाब सरकार अगर प्रतिमा की रक्षा नहीं कर सकती है तो वे इसे शहर में लाएंगे। सिंह ने कहा कि सिखों का एक प्रतिनिधिमंडल प्रतिमा पेशावर लाने के लिए लाहौर जाएगा। उन्होंने कहा कि पेशावर के ऐतिहासिक बालाहिसार किले में रणजीत सिंह की एक तस्वीर करीब छह वर्ष पहले लगाई गई थी और यह अभी तक सही सलामत है जबकि पंजाब सरकार एक प्रतिमा की रक्षा नहीं कर पा रही है। सिंह ने कहा कि प्रतिमा पर बार-बार हमला होने से समुदाय की भावनाएं आहत हो रही हैं।

तालिबानियों के विरोध में लोगों ने उठाई आवाज, हिंसक कार्रवाई में तीन की मौत

काबुल। पूर्वी शहर जलालाबाद में विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों पर तालिबान की हिंसक कार्रवाई में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए।अफगानिस्तान के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने यह जानकारी दी। दर्जनों लोगों ने बुधवार को अफगानिस्तान के स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले राष्ट्रीय ध्वज फहराया और तालिबान का झंडा उतार दिया। इसके बाद तालिबान ने गोलियां चलाईं और लोगों के साथ मारपीट की। स्वास्थ्य अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर यह जानकारी दी, क्योंकि वह मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत नहीं हैं।

जेल से रिहा अफगान तालिबानी हजारों की संख्या में पाकिस्तान में कर रहे प्रवेश

चमन (पाकिस्तान)। इस सप्ताह की शुरूआत में तालिबान द्वारा देश पर कब्जा किए जाने के बाद अफगानिस्तान के दक्षिण-पूर्व में स्पिन बोल्डक/चमन सीमा पार से हजारों की संख्या में अफगानी पाकिस्तान में प्रवेश कर चुके हैं। इनमें चिकित्सा की मांग करने वाले मरीज और मुक्त किए गए तालिबान कैदी शामिल हैं। अफगानी यात्रियों और अधिकारियों ने अल जजीरा को बताया कि मंगलवार को, सभी अफगानों के लिए वैध पहचान दस्तावेज या पाकिस्तान में पंजीकृत अफगान शरणार्थी होने का प्रमाण लेकर सीमा खुल गई हैं। सीमा के अफगान क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी की शिकायत करते हुए, कई लोगों ने बुजुर्ग रिश्तेदारों या अन्य लोगों के साथ यात्रा की, जिन्हें तत्काल चिकित्सा की आवश्यकता थी। सीमा पर एकत्र हुए लोगों में से कई ने अल जजीरा को बताया कि वे तालिबान द्वारा अफगान जेलों से रिहा किए गए रिश्तेदारों को प्राप्त करने के लिए वहां आए हैं। इस दौरान अफगान तालिबान के सफेद झंडे हवा में लहरा रहे थे। रिश्तेदारों ने लौटने वाले लड़ाकों का स्वागत किया।

काबुल हवाईअड्डा अब नागरिकों के हवाई सफर के लिए खुला

काबुल। अमेरिका ने कहा है कि काबुल में हामिद करजई अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा सुरक्षित है और अब सभी नागरिकों के हवाई यात्रा के लिए खुल गया है। सेंटकॉम के एक बयान में कहा गया है कि अमेरिकी सेना के सुदृढीकरण और अपने नागरिकों और उनके अफगान सहयोगियों की निकासी सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका अब हवाई अड्डे पर नियंत्रण कर रहा है। अफगान मीडिया ने बताया कि सेंटकॉम के कमांडर जनरल फ्रैंक मैकेंजी, जो इस क्षेत्र में एक वरिष्ठ अमेरिकी कमांडर हैं, उन्होंने दोहा में तालिबान के वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात की और उन्हें निकासी और सुदृढीकरण प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने के लिए आगाह किया। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने भी तालिबान को चेतावनी दी थी कि अगर वे काबुल में किसी अमेरिकी सैन्यकर्मी या नागरिक पर हमला करते हैं तो तालिबान को त्वरित और जबरदस्त प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा। काबुल में अधिकारियों ने अभी इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की है। मैकेंजी ने स्वीकार किया है कि अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा वर्तमान में उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और उन्होंने कहा कि काबुल में दूतावास को नागरिकों, भागीदारों, कमजोर अफगानों और एसआईवी के आवेदकों को निकालने के लिए उनका पूरा समर्थन होगा।

तिब्बत में ग्रामीणों की प्रति व्यक्ति प्रयोज्य आय में 12.5 प्रतिशत का इजाफा

बीजिंग। 2012 से अब तक चीन में ग्रामीण गरीब आबादी में 8.5 लाख की कमी आयी है। 2012 से 2020 तक तिब्बत में ग्रामीण निवासियों की औसत आमदनी में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि आयी, जो 5,698 युआन से बढ़कर 14,598 युआन तक पहुंच गयी है। तिब्बत स्वायत्त प्रदेश के स्थायी उपाध्यक्ष बाईमावांगत्वेई ने 17 अगस्त को तिब्बत में आयोजित एक न्यूज ब्रीफिंग में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तिब्बत में गरीबी उन्मूलन कार्य करने से तिब्बत ने उद्योग के विकास को गरीबी उन्मूलन की प्राथमिकता मानी, साथ ही रोजगार के मौके को बढ़ाने, शिक्षा को महत्व देने और न्यूतम जीवन गारंटी प्रणाली को सुनिश्चित देने आदि विविध कदमों से लोगों को गरीबी से छुटकारा पाने में मदद दी। आंकड़े बताते हैं कि 2012 से 2020 तक तिब्बत में ग्रामीण उपभोक्ताओं की खुदरा बिक्री की कुल रकम 5.36 अरब युआन से बढ़कर 1.3 खरब युआन तक पहुंच गयी, जिस की औसत वार्षित दर 11.8 प्रतिशत है। हाल में तिब्बती लोगों में खुशी और सुरक्षा की भावना लगातार बढ़ती जा रही है।

काबुल की ऊंची इमारतें और चकाचौंध देखकर हैरान हैं युवा तालिबान लड़ाके, आका से वापस नहीं जानें की जिद की

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान की राजधानी पर कब्जा करने वाले हजारों तालिबान लड़ाकों में से एक 22 साल के एजानुल्ला ने ऐसा नजारा पहले कभी नहीं देखा था। काबुल की पक्की सड़कों पर ऊंचे-ऊंचे अपार्टमेंट, इमारतों में शीशे के कार्यालय और शॉपिंग मॉल उसे अचम्भे में डाल रहे थे। गृह मंत्रालय के भीतर उम्दा फर्नीचर के बारे में उसने कहा कि वह ऐसा था जैसा उसने सपने में भी नहीं सोचा था। एजानुल्ला ने कहा कि वह अपने कमांडर से पूछेगा कि क्या उसे यहां रहने की अनुमति मिलेगी। उसने कहा, 'मैं वापस नहीं जाना चाहता।' आज का काबुल और अन्य शहर वैसे नहीं हैं जैसे 20 साल पहले के तालिबान शासन में थे जिसके लड़ाके मुख्यतः ग्रामीण इलाकों से आते हैं।

अफगानिस्तान की एक पूरी पीढ़ी आधुनिकता और पश्चिमी विकास के रंग में रंगी हुई है। बहुत से लोगों को डर है कि इतने सालों में जो हासिल किया है वह तालिबान के वापस आने के बाद कहीं फिर से न खो जाए। जब दो महिलाओं ने एजानुल्ला को सड़क पर हैलो कहा तो उसे विश्वास नहीं हुआ। उसने कहा, 'उन्होंने कहा कि वे हमसे डरती थीं और सोचती थीं कि हम डरावने हैं। लेकिन मैंने उनसे कहा कि तुम मेरी बहनों की तरह हो और हम तुम्हें स्कूल जाने देंगे शिक्षा लेने देंगे और सुरक्षा देंगे। बस तुम अपने हिजाब का ध्यान रखो।' तालिबान सचमुच बदल गया है या नहीं यह नहीं कहा जा सकता लेकिन यह वो देश नहीं है जिस पर संगठन ने गृह युद्ध के चार साल बाद 1996 में कब्जा किया था। सोवियत संघ की वापसी और 1992 में कम्युनिस्ट समर्थक सरकार के जाने के बाद अफगानिस्तान को गृह युद्ध झेलना पड़ा था जिसके बाद तालिबान का शासन रहा था। उस जमाने में शहर खंडहर की शक्ल में हुआ करते थे जिस पर स्थानीय लड़ाके प्रशासन चलाते थे। ज्यादातर अफगान टूटी फूटी सड़कों, साईकिल या पीली टैक्सी में चला करते थे। पूरे देश में उस समय केवल एक कम्प्यूटर था जो तालिबान के नेता मुल्ला मोहम्मद उमर के पास हुआ करता था। मजे की बात यह थी कि उसे वह चालू करना तक नहीं आता था। वर्ष 2001 में तालिबान का शासन समाप्त होने और इस साल फिर से बहाल होने के बीच देश में बहुत बदलाव आ चुका है। तालिबान शासन के तहत अफगानिस्तान में टेलीविजन और गीत संगीत प्रतिबंधित था, लड़कियों के स्कूल जाने पर पाबंदी थी और महिलाएं घरों के बाहर काम नहीं कर सकती थीं। लेकिन आज देश में चार मोबाइल कंपनियां और कई सेटेलाइट टीवी स्टेशन हैं जहां महिला एंकर काम करती हैं जिनमें से एक ने सोमवार को तालिबान के एक अधिकारी का साक्षात्कार लिया था। स्वयं तालिबान लड़ाकों के हाथों में महंगे मोबाइल फोन देखे गए जिनसे वह सेल्फी लेते नजर आए। तालिबान लड़ाके आधुनिकता के रंग में रंगे काबुल शहर को देखकर हैरान हैं।ऑनलाइन उपलब्ध वीडियो में वे एक मनोरंजन पार्क में मस्ती करते और जिम में देखे गए। तालिबान के कब्जे के बावजूद राजधानी में ही रूकने का फैसला करने वाले देश के लोकप्रिय टोलो टीवी नेटवर्क के मालिक साद मोहसेनी ने कहा कि बहुत से अफगान लोगों को तालिबान के वेश में लुटेरों का डर सता रहा है। उन्होंने कहा, '' ये तालिबान का रूप धरने वाले लुटेरे अधिक खतरनाक हैं क्योंकि ये केवल लफंगे हैं।

तालिबान समर्थक इमरान सरकार ने खूंखार आतंकवादी मुल्ला मोहम्मद रसूल को किया रिहा

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबानियों की वापसी का पाकिस्तान की इमरान खान सरकार ने समर्थन किया था और अब तालिबानियों को खुश करने के लिए एक आतंकवादी को रिहा कर दिया है। बता दें कि पाकिस्तान ने तालिबान के मुल्ला मोहम्मद रसूल को रिहा कर दिया है। पिछले पांच सालों से मुल्ला मोहम्मद रसूल पाकिस्तान की जेल में कैद था लेकिन अब उसे आजाद कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तालिबान से अलग होने के बाद मुल्ला मोहम्मद रसूल ने अपना अलग संगठन बना लिया था। जिसके बाद पाकिस्तान सरकार ने उसे हिरासत में ले लिया। वहीं दूसरी तरफ अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा होने के बाद आतंकवादियों की मौज हो गई है। पिछले एक सप्ताह में तालिबानियों ने 2,300 आतंकवादियों को रिहा कर दिया है। इन आतंकवादियों को काबुल, कंधार और बगराम जेल से रिहाई मिली है और अब पाकिस्तान भी तालिबान के समर्थकों को रिहा कर रहा है। गौरतलब है कि इमरान खान तालिबान द्वारा काबुल पर नियंत्रण किए जाने का समर्थन करते हुए दिखे और उन्होंने कहा था कि अफगानिस्तान ने गुलामी की जंजीरों को तोड़ दिया है। अफगानिस्तान में लंबे समय से चला आ रहा संघर्ष रविवार को उस समय चरम पर पहुंच गया जब तालिबान ने काबुल में प्रवेश किया और राष्ट्रपति के महल पर कब्जा कर लिया।

अफगानिस्तान में तालिबानियों के हाथ नहीं लगा मुद्रा भंडार, देश में विदेशी मुद्रा उपलब्ध नहीं

काबुल। (एजेंसी)।

तालिबानियों ने आश्चर्यजनक गति से अफगानिस्तान पर कब्जा तो कर लिया, लेकिन ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि उग्रवादियों को अफगान केंद्रीय बैंक की जमा संपत्ति हाथ नहीं लग पाएगी। एक अफगान अधिकारी के अनुसार, देश के केंद्रीय बैंक, दा अफगानिस्तान बैंक (डीएबी) को अपने तिजोरी में विदेशी मुद्रा, सोना और अन्य खजाने रखने के लिए जाना जाता है। बैंक के कार्यवाहक गवर्नर अजमल अहमदी, जो काबुल से भाग गए हैं, सहित अफगान अधिकारियों के अनुसार, अधिकांश संपत्ति अफगानिस्तान के बाहर रखी गई है, संभावित रूप से उनमें से अधिकांश को विद्रोहियों की पहुंच से बाहर रखा गया है। इसके कारण तालिबानियों के हाथ कुछ भी नहीं लगा है।

तालिबानियों के हाथ नहीं लगी विदेशी मुद्रा

अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा है कि देश का करीब नौ अरब डॉलर का आरक्षित मुद्रा भंडार विदेशों में है। उन्होंने कहा कि देश में नकदी के तौर पर कोई विदेशी मुद्रा उपलब्ध नहीं है। अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक के प्रमुख अजमल अहमदी ने बुधवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश की करीब नौ अरब डॉलर की राशि में से सात अरब डॉलर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के बांड, संपत्तियों और सोने में जमा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अफगानिस्तान के पास अमेरिकी मुद्रा का भंडार 'शून्य'है। उन्होंने कहा कि तालिबान द्वारा देश पर कब्जे के बीच देश को नकदी का भंडार नहीं मिल पाया है। उन्होंने लिखा है कि नकदी की अगली खेप नहीं आ पाई। गवर्नर ने कहा है कि अमेरिकी डालर की कमी से अफगानिस्तान की मुद्रा का मूल्य गिरेगा और महंगाई बढ़ेगी। इसका सीध असर गरीब जनता पर पड़ेगा।

तालिबान ने 'आम माफी' की घोषणा की

तालिबान ने मंगलवार को पूरे अफगानिस्तान में 'आम माफी' की घोषणा की और महिलाओं से उसकी सरकार में शामिल होने का आह्वान किया। इसके साथ ही तालिबान ने लोगों की आशंका दूर करने की कोशिश है, जो एक दिन पहले उसके शासन से बचने के लिए काबुल छोड़कर भागने की कोशिश करते दिखे थे और जिसकी वजह से हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा होने के बाद कई लोग मारे गए थे। वहीं, काबुल हवाई अड्डे के नागरिक उड्डयन वाले हिस्से में मंगलवार शाम को तालिबान लड़ाकों के प्रवेश करने और हवा में गोली चलाने की खबर है। अफगानिस्तान पर कब्जा करने वाला और कई शहरों को बिना लड़ाई जीतने वाला तालिबान वर्ष 1990 के क्रूर शासन के उलट खुद को अधिक उदार दिखाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन कई अफगान अब भी आशंकित हैं। पुरानी पीढ़ी तालिबान की अति रूढ़िवादी सोच को याद कर रही है, जब 11 सितंबर 2001 को न्यूयॉर्क पर हमले के बाद अफगानिस्तान पर अमेरिकी कार्रवाई से पहले सजा के तौर पर पत्थर से मारने और सार्वजनिक तौर पर फांसी की सजा दी जाती थी। कब्जे के दूसरे दिन काबुल में शांति बनी हुई है और तालिबान गश्त कर रहा है। तालिबान द्वारा जेलों पर कब्जा कर कैदियों को छुड़ाने एवं हथियारों को लूटने की घटना के बाद लोग घरों में ही हैं, लेकिन भयभीत हैं। कई महिलाओं ने आशंका जताई है कि अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण के दौरान महिलाओं को और अधिकार देने का पश्चिमी प्रयोग तालिबान के शासन में कायम नहीं रहेगा।

अफगानिस्तान में सरकार के गठन के बाद ही तालिबान शासन को मान्यता देने पर निर्णय करेंगे: चीन

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन ने बुधवार को कहा कि वह अफगानिस्तान में सरकार के गठन के बाद ही देश में तालिबान को राजनयिक मान्यता देने का फैसला करेगा तथा उसे उम्मीद है कि वह सरकार ''खुली, समावेशी और व्यापक प्रतिनिधित्व वाली'' होगी। यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में यह पूछे जाने पर कि चीन तालिबान को राजनयिक मान्यता कब देगा, चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा, ''अफगानिस्तान के मुद्दे पर चीन की स्थिति सुसंगत और स्पष्ट है।'' उन्होंने कहा, ''यदि हमें किसी सरकार को मान्यता देनी है, तो पहली बात यह है कि हमें तब तक इंतजार करना होगा जब तक कि सरकार का गठन नहीं हो जाता।'' उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि अफगानिस्तान में एक खुला, समावेशी और व्यापक प्रतिनिधित्व वाला शासन होगा।

उसके बाद ही हम राजनयिक मान्यता के सवाल पर आएंगे।'' उन्होंने चीन के इस रुख को भी दोहराया कि अन्य गुटों के परामर्श से एक ''खुली और समावेशी'' सरकार बनाने के अलावा तालिबान को किसी भी आतंकवादी ताकतों, विशेष रूप से शिनजियांग प्रांत के उइगर आतंकवादी समूह- ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईटीआईएम) को अनुमति नहीं देने का अपना वादा निभाना चाहिए। काबुल में तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद के संवाददाता सम्मेलन के बारे में, जिसमें उसने अफगान सरकार के लिए काम करने वालों को आम माफी और महिलाओं के अधिकारों का ''इस्लामी कानून के ढांचे के भीतर'' सम्मान करने की घोषणा की, झाओ ने कहा कि शांति की बहाली इस कट्टरपंथी समूह के लिए सबसे जरूरी काम है। उन्होंने कहा, ''हमने अफगान तालिबान के बयान पर ध्यान दिया है।

हमें उम्मीद है कि वह देश के अन्य गुटों के साथ बातचीत और परामर्श के माध्यम से काम करेगा और एक समावेशी और खुला राजनीतिक ढांचा स्थापित करेगा तथा उदार एवं विवेकपूर्ण घरेलू और विदेश नीति अपनाएगा और यह सुनिश्चित करेगा कि अफगानिस्तान में अन्य देशों के कर्मचारी और संस्थान सुरक्षित रहेंगे।'' उन्होंने कहा, ''साथ ही, हम उम्मीद करते हैं कि अफगान तालिबान ईटीआईएम सहित आतंकवादी ताकतों से मजबूती से लड़ेगा और चीन के लिए हानिकारक आतंकवादी कृत्यों में शामिल होने के लिए किसी भी बल को अफगानिस्तान की धरती का उपयोग करने की अनुमति नहीं देने की अपनी प्रतिबद्धता को गंभीरता से लागू करेगा।'' अल-कायदा का सहयोगी बताया जाने वाला ईटीआईएम चीन के अस्थिर शिनजियांग प्रांत का एक आतंकवादी समूह है। यह प्रांत की स्वतंत्रता के लिए लड़ रहा है, जहां एक करोड़ से अधिक उइगर मुसलमान रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अल-कायदा प्रतिबंध समिति ने 2002 में ईटीआईएम को एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया है।

इमरान खान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अफगानों की आर्थिक मदद के लिए वार्ता करते रहने की अपील की

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि उनका देश अफगानिस्तान में मौजूदा संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए सभी अफगान नेताओं से संपर्क कर रहा है। खान ने विश्व समुदाय से वार्ता जारी रखने की अपील की, खासकर, लोगों की मदद के लिए, क्योंकि देश की अर्थव्यवस्था युद्ध में तबाह हो गई है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंगलवार देर रात एक बयान में कहा कि खान को जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल का टेलीफोन कॉल आया था और दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान में तेजी से बदलती स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया। खान ने मर्केल से कहा, ÷ पाकिस्तान सभी अफगान नेताओं से संपर्क कर रहा है।'' प्रधानमंत्री ने मर्केल से कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को वार्ता करती रहनी चाहिए, खासकर, अफगानिस्तान के लोगों की आर्थिक तौर पर मदद के लिए।

बयान के मुताबिक, खान ने पाकिस्तान और क्षेत्र के लिए शांतिपूर्ण और स्थिर अफगानिस्तान के अत्यधिक महत्व को भी रेखांकित किया और इस बात पर बल देते हुए कहा कि सभी अफगानों की सुरक्षा के

साथ-साथ अधिकारों की सुरक्षा अत्यंत अहम है। खान ने रेखांकित किया कि एक समावेशी राजनीतिक समझौता अफगान संकट को हल करने का सबसे अच्छा तरीका है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अफगानिस्तान से अंतरराष्ट्रीय संगठनों के राजनयिक कर्मियों और कर्मचारियों को निकालने में मदद कर रहा है। मर्केल तीसरी यूरोपीय नेता थी जिन्होंने अफगान संकट पर चर्चा के लिए खान को फोन किया था। इससे पहले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जोनसन और डेनमार्क के प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने भी खान को फोन किया था और दोनों कॉल की तवज्जो अफगानिस्तान की स्थिति पर थी।

क्या अशरफ गनी अमेरिका की फिर से लेंगे नागरिकता? राष्ट्रपति बनने के लिए ही तो आए थे अफगानिस्तान

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तालिबान की एंट्री के साथ ही राष्ट्रपति अशरफ गनी देश छोड़कर भाग गए। शुरुआती जानकारी के मुताबिक अशरफ गनी के विमान ने तजिकिस्तान के लिए उड़ान भरी थी लेकिन लैंड करने की अनुमति नहीं मिलने पर उनका विमान ओमान की तरफ मुड़ गया। बताया जा रहा है कि अशरफ गनी ओमान में हैं और जल्द ही अमेरिका जा सकते हैं।

गनी के पास कहां की है नागरिकता ?

अफगानिस्तान के लोगार प्रांत में 19 मई 1949 में जन्में अशरफ गनी के पास अमेरिका की भी नागरिकता थी। जन्म के साथ अफगानिस्तान के नागरिक रहे अशरफ गनी ने 1964 में अमेरिकी की नागरिकता ले ली थी और वहीं से अपनी पढ़ाई पूरी की। अहमदजई पश्तून जनजाति से ताल्लुक रखने वाले अशरफ गनी ने साल 1983 में कोलंबिया से पीएचडी की डिग्री हासिल की थी।

दिसंबर 2001 में 24 साल बाद अफगानिस्तान की जमीं पर वापसी करने वाले अशरफ गनी को राष्ट्रपति हामिद करजई के मुख्य सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया था। बाद में साल 2009 में उन्होंने अमेरिका की नागरिकता छोड़ दी थी क्योंकि अशरफ गनी को साल 2014 के राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा लेना था। आपका बता दें कि राष्ट्रपति हामिद करजई के बाद अशरफ गनी ने सत्ता संभाली थी जो तालिबान की वापसी के बाद अपना मुल्क ही छोड़कर भाग गए। फिलहाल, पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और शांति परिषद प्रमुख अब्दुल्ला अब्दुल्ला सहित कई अफगान नेता काबुल पर तालिबान का कब्जा होने के बाद से वार्ता कर रहे हैं।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या अशरफ गनी फिर से अमेरिका की नागरिकता ले सकते हैं ? हालांकि इस पर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है लेकिन अशरफ गनी के अमेरिका के साथ अच्छे संबंध हैं और अफगानिस्तान में भी अमेरिका के समर्थन से ही उन्होंने सरकार बनाई थी और जल्द ही वह अमेरिका में शरण ले सकते हैं।

अमेरिकी सेना ने अभी तक 3,200 से अधिक लोगों को काबुल से निकाला : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका ने अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता पर कब्जा जमाने के बाद अभी तक काबुल से 3,200 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला है जिनमें से 1,100 लोगों को तो मंगलवार को निकाला गया। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया, ''आज अमेरिका के सैन्य विमान 13 उड़ानों से करीब 1,100 अमेरिकी नागरिकों, अमेरिकी के स्थायी निवासियों और उनके परिवारों को लेकर आए। हमें इस संख्या के बढ़ने की उम्मीद है।'' उन्होंने कहा, ''हमने अभी तक 3,200 से अधिक लोगों को बाहर निकाला है जिसमें हमारे कर्मी भी शामिल हैं। इसके अलावा हमने अफगानिस्तान के करीब 2,000 विशेष आव्रजकों को भी अमेरिका में नयी जगहों पर बसाया है।'' इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवान ने कहा, ''हम देश से आ रहेसैन्य मालवाहक विमान में औसतन 300 यात्रियों को लाएंगे।'' उन्होंने उन खबरों का जिक्र किया कि काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पहुंचने की कोशिश करते हुए कुछ नागरिकों को रोका गया, उन्हें वापस भेजा गया या कुछ को तो पीटा भी गया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोग हवाईअड्डे पर पहुंच रहे हैं। इस बीच, सदन की विदेश मामलों की समिति के रिपब्लिकन सदस्यों ने राष्ट्रपति जो बाइडन से यह वादा करने का अनुरोध किया कि वह काबुल से तब तक लोगों को बाहर निकालना जारी रखेंगे जब तक सभी अमेरिकी नागरिक और उसके सभी अफगान साझेदार सुरक्षित देश से बाहर न आ जाएं।

संपादकीय

अमेरिका से निराशा

ह्वाइट हाउस में जब एक डेमोक्रेट राष्ट्रपति चुनकर पहुंचे, तब दुनिया ने इत्मीनान महसूस किया था कि अब कम से कम शांतिकामी लोकतंत्रों के लिए स्थितियां अनुकूल होंगी। बतौर प्रत्याशी जो बाइडन ने अपनी चुनावी बहसों में लोकतंत्र के हक में सक्रिय होने का वादा किया था, उन्होंने अमेरिकी विदेश नीति को पर्याप्त अहमियत देने की भी बात कही थी, मगर अफगानिस्तान के घटनाक्रम ने उन सभी वादों और आशाओं पर पानी फेर दिया है। वहां न सिर्फ अस्थिरता की स्थिति व्यापक हो गई है, बल्कि काबुल बीस साल पुरानी स्थिति में पहुंचता दिख रहा है। कई बड़े देशों के लाखों करोड़ रुपये के निवेश संकट में पड़ गए हैं और 60 से अधिक देश अपने दूतावास कर्मियों की सुरक्षा को लेकर अब तालिबान के रहमो-करम पर हैं। अफगानिस्तान के इस सूरते-हाल के लिए दुनिया भर में अमेरिका और खासकर राष्ट्रपति जो बाइडन की हो रही मुखर आलोचना का ही असर है कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को उन तमाम देशों के अपने समकक्षों का नंबर डायल करना पड़ा, जो काबुल के घटनाक्रम से सीधे प्रभावित हुए हैं। खुद राष्ट्रपति बाइडन को अपने देशवासियों के सामने सफाई पेश करनी पड़ी है। बाइडन ने पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन और तालिबान के बीच हुए करार को अपने बचाव के तौर पर इस्तेमाल किया है, लेकिन अमेरिकी लोग ही सवाल उठा रहे हैं कि जब तालिबान ने करार के तहत हिंसा बंद करने की शर्त का उल्लंघन कर दिया था और हालिया महीनों में अपने हमले तेज कर दिए थे, तब बाइडन प्रशासन समझौते का पाबंद क्यों बना रहा? ऐसी सूरत में तो उसे तालिबान के प्रति कहीं सख्त रुख अपनाना चाहिए था। जाहिर है, एक रणनीतिक लाभ की स्थिति को बाइडन प्रशासन ने ऐसे नुकसानदेह उदाहरण के रूप में तब्दील कर दिया है, जो अमेरिकियों को लंबे समय तक चिढ़ाएगा और दुनिया आशंकाओं से घिरी रहेगी। बहरहाल, अब जब वहां पूरी तरह से तालिबान काबिज हो चुका है और सत्ता के हस्तांतरण की आंतरिक कवायद हो रही है, तब अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र को विशेष रूप से सक्रिय होने की जरूरत है। तालिबान ने संकेत दिया है कि वह सार्वजनिक माफी और नई सरकार में औरतों की भागीदारी पर विचार कर सकता है। ऐसे में, वहां एक वैध व्यवस्था जल्द से जल्द कायम हो, यह अफगानियों के लिए ही नहीं, इस पूरे खित्ते और दुनिया के लिए बहुत जरूरी है। मौजूदा स्थिति में ठीक-ठीक नहीं कहा जा सकता कि तालिबान के भीतर नेतृत्व की सर्वमान्यता कितनी है और दुनिया के देश उसे लेकर क्या कुछ सोचते हैं, लेकिन आतंकवाद का संकट जितना गंभीर रूप अख्तियार कर चुका है, उसमें तालिबान और उसके खैरख्वाहों की गतिविधियों को निगरानी-मुक्त नहीं किया जा सकता। विश्व बिरादरी को पहले से कहीं अधिक सतर्कता के साथ तालिबान पर नजर रखनी पड़ेगी। अमेरिका की नाकामी के बाद अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के जरिये तालिबान पर दबाव बनाना होगा कि वह राजनीतिक समझौते के तहत ही आंतरिक उलझनों को सुलझाए और यदि शासन करने को लेकर वाकई गंभीर है, तो आतंकी समूहों से अपना नाता तोड़े। निस्संदेह, तालिबानी निजाम को लेकर भारत का पुराना अनुभव बहुत अच्छा नहीं रहा है। पर बदली स्थितियों में इसे अब एक तार्किक भूमिका के लिए तैयार होना पड़ेगा।

'आज के ट्वीट

हश्र

अफगानिस्तान से हमे ये सीख मिलती हैं, की जिस देश की प्रजा लड़ना भूल जाती है,उसका यही हश्र होता है.!

-- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

तालिबान, शरिया कानून और भारत

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

पटकथा लिखी जा चुकी है, अभी सरकार नहीं बनी लेकिन यह तय हो गया है कि प्रारंभ से ही कौन से देश आतंकी तालिबानियों के साथ हैं। इसमें सबसे ज्यादा खतरा यदि किसी मुल्क को है तो वह भारत है और जो देश अफगानिस्तान में बने वर्तमान हालातों में सबसे अधिक लाभ देख रहा है, वह चीन है। हालांकि चीन के साथ ही अभी पाकिस्तान, टर्की और रूस ने अफगानिस्तान में अपने दूतावास बंद नहीं करके यह साफ संकेत दे दिए हैं कि वे नई तालिबानी हुकूमत के साथ जाएंगे। वस्तुत यह सर्वविदित है कि तालिबान की सोच इस्लाम का दुनिया भर में परचम लहराना है। हर हाल में इस्लाम की सत्ता और हर जगह शरिया कानून लागू करने का सपना इस तालिबान के हुक्मरानों का है। इसके लिए अपनी शक्ति से भी आगे तक जाने के लिए तालिबानी लड़ाके तैयार रहते हैं। दीन के प्रति समर्पण और मरने के बाद तमाम हूरों का सपना इन पर पूरी तरह से हावी है। यही कारण है कि तालिबान जब पिछली बार अफगानिस्तान में की सत्ता में आए, उन्होंने शरिया कानूनों के नाम पर कहर ढाया था। इस्लाम की सत्ता का अहंकार इस कदर इन पर हावी हुआ कि इन्होंने अमेरिका तक को चुनौती दे डाली और 9/11 की घटना घटी। अमेरिका में 2001 को हुए इस आतंकी हमले में तीन हजार से अधिक लोगों की मौत हुई और हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक संगठन अल-क़ायदा के प्रमुख ओसामा बिन लादेन ने ली थी । पूरी योजना अफगानिस्तान से संचालित थी जहां पर कि कट्टरपंथी इस्लामिक समूह तालिबान का ही शासन था। तालिबान ने जब ओसामा को अमेरिका के हवाले करने से इनकार किया, तब मजबूरन 11 सितंबर की घटना के एक माह बाद से अमेरिका आतंकवादियों के इन दोनों ही संगठनों को समाप्त करने की मंशा से सीधे सामने आकर लड़ाई लड़ने लगा। उसने अफगानिस्तान में हवाई हमले शुरू किए। असर भी व्यापक दिखा, लेकिन फिर क्या ? 20 सालों के लम्बे संघर्ष के बाद हालत फिर वहीं आकर ठहर गए हैं। इसका जो सबसे बड़ा कारण सीधे तौर पर नजर आता है, वह है अफगानिस्तान की अधिकांश जनता का तालिबान के सामने समर्पण कर देना। शरिया कानूनों को अमल में लाने का उनका आग्रह, जिसमें कि अफगान सेना का तीन लाख की संख्या में होने के बाद भी 70 हजार तालिबानियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया जाता है। ऐसे में विचार करें कि वर्तमान परिस्थितियों में भारत कहां है, उसके अफगानिस्तान से जुड़े हित क्या हैं और वर्तमान हालातों में उनका क्या होगा ? इस संदर्भ में देखा जाए तो अफगानिस्तान में भारतीय मिशनों पर हुए हमलों में तालिबान की सीधी भागीदारी अबतक रहती आई है। 1999 में आईसी-814 विमान का अपहरण आज भी हर देशभक्त भारतीय को चुभता है जिसमें जैश-ए -मोहम्मद प्रमुख मौलाना मसूद अजहर, अहमद ज़रगर और शेख अहमद उमर सईद को छोड़ने के बदले इस कंधार विमान अपहरण कांड में यात्रियों को सकुशल भारत को लौटाने की शर्त तालिबान की ओर से रखी गई थी। दरअसल, तालिबानी सत्ता को लेकर भारत के समक्ष सबसे बड़ा संकट वैचारिकी का भी है। एक तरफ भारत है जो सर्वपंथ सद्भाव एवं धर्म आधारित व्यवस्था को समान रूप से देखता है, जबकि इसके उलट तालिबान है जिसके लिए इंसानियत से भी ऊपर उसका मजहब है। हदीस की शिक्षाएं हैं और शरीयत कानून है। कुरान के आईने से वह पूरी दुनिया बना देना चाहता है, फिर इसके विरोध में यदि कोई इस्लाम को मानने वाला खड़ा हो जाए या तार्किक रूप से यदि कोई उनसे प्रश्न करेगा तो वह तालिबानियों के हाथों तुरन्त मार दिया जाएगा। ऐसे में उनके लिए अपने मजहब का होना भी मायने नहीं रखता। इस सब में दुखद पक्ष यह है कि फ्रांस, भारत या अन्य देश में घटी किसी घटना पर दुनिया भर में शोर मचानेवाली इस्लामिक भीड़ आज अफगानिस्तान के समूचे घटनाक्रम पर मौन नजर आ रही है। भारत में पिछले एक दिन भी तालिबानियों की बर्बरता को लेकर जुलूस नहीं निकाला गया और ना ही किसी अन्य देश से ही ऐसी तस्वीरें सामने आईं हैं, जबकि वास्तविकता यही है कि जिन लोगों पर तालिबान अभी कहर ढा रहा है वे सभी इस्लाम को ही मानने वाले हैं, हां शरिया कानून के पक्ष में पूरी तरह से नहीं हैं। ये सभी आधुनिक मुसलमान महिलाओं को भी बहुत हद तक सामान्य रूप से स्वतंत्रता देने एवं शिक्षा के समान अधिकार देने की वकालत करते आए हैं। सोचने वाली बात है, क्या अफगानिस्तान और फिलिस्तीन में मरने वाले अलग-अलग तरह के सलीम और अब्दुल हैं ? जो अबतक काबुल बचाओ, अफगानिस्तान बचाओ जैसा कोई हैशटैग नजर नहीं आया ? नेशनल इंटरनेशनल सैलिब्रिटीज, शांतिदूतों की पूरी फौज जैसे तालिबान की इस सत्ता को मौन समर्थन देती नजर आ रही है। वास्तव में भारत को आज खतरा इसी मौन से है। हाल ही में एक अध्ययन सीधे तौर पर इसी खतरे की ओर इशारा भी करता है। अमेरिकी थिंक टैंक 'प्यू रिसर्च सेंटर' की एक स्टडी में यह बात खुलकर सामने आई है। 'रिलिजन इन इंडिया : टॉलरेंस एंड सेपरेशन' टाइटल से प्रकाशित रिपोर्ट में इसका खुलासा बहुत स्पष्टता के साथ किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि भारत में 74 प्रतिशत मुस्लिम आबादी इस्लामी अदालतों यानी कि शरीयत के कानून को लागू करने के पक्ष में हैं। 59 प्रतिशत मुसलमानों ने भी विभिन्न धर्मों के अदालतों का समर्थन किया है। इसका मतलब यह हुआ कि भारत में हर चार मुसलमान में से तीन शरिया अदालत चाहते हैं। यही सोच वास्तव में आज भारत के लिए संकट की घंटी बजा रही है। वस्तुतः भारत जैसे देश जहां बहुसंख्यक हिन्दू समुदाय रहता है, जब धर्म के आधार पर देश का विभाजन हुआ, तब इस बहुसंख्यक समाज ने यही कहा था कि जो भी मुसलमान विभाजित भारत में रहना चाहता है, वह यहां उतने ही अधिकार के साथ रहे जितना कि एक हिन्दू का यहां अधिकार है। कानून बनाते वक्त, संविधान का निर्माण हो रहा था, उस समय भी बहुसंख्यक हिन्दुओं के तंत्र ने हर उस अल्पसंख्यक का ध्यान रखा, जिनकी संख्या बहुसंख्यक समाज से कम थी। आज सबसे बड़ा अल्पसंख्यक मुसलमान है और जितनी भी भारत सरकार की अल्पसंख्यकों के लिए योजनाएं चल रही हैं या पिछड़े वर्ग की योजनाएं चल रही हैं, उनमें जनसंख्या के अनुपात में सबसे अधिक लाभ लेनेवाला भी आज यही मुसलमान समुदाय है। इतना ही नहीं तो धार्मिक स्थानों पर जहां एक तरफ मंदिरों का सरकारीकरण करते हुए उसके लाभ को सरकार लेने में जरा भी देरी नहीं करती तो दूसरी तरफ उन्हें (अल्पसंख्यक को) हर तरह का शिक्षा संस्थानों के साथ धार्मिक संस्थानों का लाभ वर्ष 1947 से आजतक दिया जा रहा है। बहुसंख्यक हिन्दू समाज के टैक्स पर अल्पसंख्यकों के लिए तमाम जनकल्याणकारी योजनाएं-शिक्षा एवं अन्य चलाई जा रही हैं, किंतु इसके बाद भी देश का बहुसंख्यक समाज यह नहीं कहता कि हमारे लिए भारतीय संविधान में स्वीकृत व्यवस्था से अलग कोई व्यवस्था बनाई जाए, जबकि यह अध्ययन एक चुनौती देता है खासकर मुसलमानों के संदर्भ में जो कि भारत में भी 74 प्रतिशत की संख्या में शरिया कानून को अमल में लाने की इच्छा रखते हैं। अब तय हम सभी को करना है कहीं इस सहमति से तालिबानी सोच तो भारत में नहीं बलवती हो रही? यदि ऐसा है तो अफगानिस्तान का यह घटनाक्रम भारत के लिए एक संकेत है। जिसे हर देशभक्त को पंथ और धर्म से ऊपर उठकर समझने की आवश्यकता है।

(लेखक, फिल्म सेंसर बोर्ड एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य एवं पत्रकार हैं।)

ज्ञान गंगा

धार्मिकता

आचार्य रजनीश ओशो/ राष्ट्रों के बाद दूसरा बड़ा रोग है धर्म। क्योंकि वे लड़ते ही रहे हैं, मार-काट ही करते रहे हैं; और ऐसे कारणों के लिए जिनमें किसी को रस नहीं है। ईसाइयत पहला धर्म था, जिसने लोगों के मन में यह ख्याल पैदा कर दिया कि युद्ध भी धार्मिक हो सकता है। और इस्लाम और अन्य धर्मो ने उसका अनुसरण किया और वे परमात्मा के नाम पर एक-दूसरे का कत्ल करते रहे। मैं कहता हूं, युद्ध मात्र अधार्मिक है। धर्मयुद्ध, जेहाद या पवित्र युद्ध जैसी कोई चीज हो ही नहीं सकती। अगर तुम युद्ध को पवित्र कहते हो तो फिर अपवित्र कहने के लिए क्या बचता है? परमात्मा में किसे रस है, सिवाय पुरोहितों के? मेरा कभी ऐसे आदमी से मिलना नहीं हुआ जो सचमुच परमात्मा में उत्सुक हो। अगर तुम एक हाथ में पांच रुपये का नोट रखो और दूसरे हाथ में परमात्मा, तो वह पांच रुपये का नोट उठा लेगा और कहेगा, 'परमात्मा तो शात है; देखेंगे, फिर कभी। अभी तो पांच रुपये ज्यादा काम के होंगे।' लेकिन पुरोहितों की उत्सुकता इसलिए है क्योंकि परमात्मा उनका धंधा है, और वे चाहते हैं कि उनका धंधा खूब चले। धर्मो ने मनुष्य की अखंडता को नष्ट कर दिया है। उन्होंने उसको तोड़ दिया है-न केवल खंडों में बल्कि विपरीत खंडों में; और ये खंड निरंतर आपस में लड़ते रहते हैं। इसी भांति उन्होंने मानवता को खंडित, स्किजोफिनक कर दिया है। उन्होंने हर व्यक्ति को एक खंडित व्यक्तित्व दे दिया है। यह बड़ी होशियारी और चालाकी से किया गया है-तुम्हारे शरीर की, तुम्हारे सेक्स की निंदा करके, तुम्हें अपने ही स्वभाव के खिलाफ भड़का कर। सारे धर्म उन सब चीजों के खिलाफ हैं जिनका मनुष्य मजा ले सकता है। मुनष्य को दुखी रखने में, शांति, आनंद और तृप्ति को खोज लेने-अभी और यहीं स्वर्ग की प्राप्ति-की हर संभावना को नष्ट करने में उनका न्यस्त स्वार्थ है। तुम्हारा दुख नितांत आवश्यक है ताकि परलोक बना रहे। उदाहरण के लिए अगर तुम्हारा सेक्स सचमुच तृप्त हो गया तो तुम्हें परमात्मा की जरूरत नहीं होती क्योंकि तुम्हारा जीवन कृतकृत्य हो जाता है। लेकिन अगर तुम्हारे सेक्स की निंदा की जाए, उसका दमन किया जाए, उसे नष्ट किया जाए, अगर तुम्हारे मन में उसके प्रति निंदा का भाव पैदा किया जाए तो फिर परमात्मा सदा जीता चला जाएगा। धर्मो ने तुम्हें सिखाया है कि तुम इस जगत के हिस्से नहीं हो। तुम यहां कोई सजा भुगतने, तुम्हारे मौलिक पाप का प्रायश्चित्त करने के लिए हो।

सभी समुदायों के हितों की पूर्ति जरूरी

फैयाज अहमद फैजी

16वीं राष्ट्रीय जनगणना का व्यापक कार्यक्रम शीघ्र ही प्रारंभ होने वाला है। इसके साथ ही अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित जातियों की गिनती की लंबे समय से चली आ रही मांग फिर जोर पकड़ने लगी है। अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व का दावा करने वाले देश भर में फैले विभिन्न सामाजिक संगठनों ने विगत 25 जुलाई को आंध्र प्रदेश भवन, दिल्ली में एक सम्मेलन आयोजित कर सोशल रेवोलुशन अलायंस नामक एक संयुक्त संगठन गठित कर राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना की मांग को मजबूती प्रदान की है। ज्ञात रहे कि 1931 की जनगणना के बाद से अब तक अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित जातियों की गिनती नहीं हो सकी है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने वादा करने के बावजूद 2011 में हुई 15वीं राष्ट्रीय जनगणना में अन्य पिछड़े वर्ग से संबंधित जातिगत गणना के आंकड़े एकत्र नहीं किए। सितंबर 2018 में, तत्कालीन गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने घोषणा की थी कि 2021 में होने वाली 16वीं राष्ट्रीय जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित जातियों के आंकड़े उपलब्ध होंगे। कई राज्य विधानसभाओं ने अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित आंकड़े एकत्र करने के लिए प्रस्ताव पारित किए लेकिन फरवरी, 2020 में केंद्र सरकार ने राज्यों की मांगों के बावजूद जातिगत जनगणना कराने से इनकार कर दिया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 340 के तहत भारत के राष्ट्रपति सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों की स्थिति की जांच करने के लिए आयोग गठित कर सकते हैं। अनुच्छेद 340 इस बात को स्पष्ट करता है कि कोई भी आयोग सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग की स्थिति की उचित पड़ताल के बाद ही सिफारिशें कर सकता है। ऐसी स्थिति में अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित जातिगत आंकड़े एकत्र करना नितांत आवश्यक हो जाता है ताकि शिक्षा, रोजगार और राजनीति सहित विभिन्न क्षेत्रों में अन्य पिछड़े वर्ग से संबंधित सभी पात्र समुदायों को आरक्षण और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। इस पूरी बहस में हिन्दू धर्म के अतिरिक्त अन्य धर्मों की सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित जातियों की (जिन्हें भी अन्य पिछड़ा वर्ग में सम्मिलित किया गया है) गणना की मांग छूटती हुई प्रतीत हो रही है या उतनी तीव्रता से मुद्दा नहीं उठाया जा रहा है। जबकि 1955 में प्रस्तुत काका कालेलकर आयोग की रिपोर्ट पहला उदाहरण थी, जिसमें मुसलमानों और अन्य धर्मों के बीच कुछ जातियों/समुदायों को भी पिछड़ा घोषित किया गया। लेकिन इस रिपोर्ट को केंद्र सरकार ने यह कह कर खारिज कर दिया था कि पिछड़े वर्गों की पहचान के लिए आर्थिक मानदंड की जगह 'जाति' का प्रयोग किया गया है। मण्डल आयोग ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार किया कि जातियां या जातियों जैसी संरचना केवल हिन्दू समाज तक ही सीमित नहीं थी, अपितु यह गैर-हिन्दू समूहों, मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों के बीच भी पायी जाती है। प्रसिद्ध इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ केस में, 9 जजों की बेंच ने पिछड़ेपन के निर्धारक के रूप में आर्थिक मानदंड को खारिज कर दिया। न्यायालय ने जाति की अवधारणा को यह कहते हुए बरकरार रखा कि भारत में जाति एक सामाजिक वर्ग हो सकती है और प्रायः होती है। गैर-हिन्दुओं में पिछड़े वर्गों के सवाल पर, न्यायालय ने कहा कि उनकी पहचान उनके पारंपरिक व्यवसायों के आधार पर की जानी चाहिए। एक अजीब विडम्बना है कि मण्डल आयोग द्वारा मुस्लिम समाज की पिछड़ी जातियों को शामिल कर लेने के बाद भी साधन संपन्न एलिट मुस्लिमों द्वारा मुस्लिम आरक्षण का असंवैधानिक और अनैतिक राग छेड़ा गया (ज्ञात रहे कि लगभग 90 फीसदी मुसलमान ओबीसी और एसटी आरक्षण के परिधि में आ चुके थे)। पिछड़े वर्ग के मुसलमानों को यह कभी बताने की चेष्टा नहीं की गई कि मंडल आयोग के अनुसार वो भी हिन्दू समाज के पिछड़े वर्ग की तरह कल्याणकारी योजनाओं और आरक्षण के पात्र हो गये हैं। रंगनाथ मिश्रा कमेटी और सच्चर कमेटी की रिपोर्टों के आधार पर मुस्लिम धर्मावलंबी दलितों और आदिवासियों की दयनीय स्थिति स्पष्ट है। इसलिए अन्य पिछड़े वर्ग के मुस्लिमों के साथ-साथ दलित वर्ग और आदिवासी वर्ग के मुस्लिम समुदायों की गणना तर्क एवं न्यायसंगत जान पड़ती है। अब तक आरक्षण का लाभ सभी धर्मों के पात्र समुदायों को उचित रूप से मिल रहा है या नहीं, इसकी समीक्षा के लिए भी सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक जातिगत आंकड़े जरूरी हो जातें हैं। सामाजिक न्याय की परिकल्पना को पूर्णरूपेण चरितार्थ करने के लिए जातिगत जनगणना को अब और अधिक टाला नहीं जा सकता।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

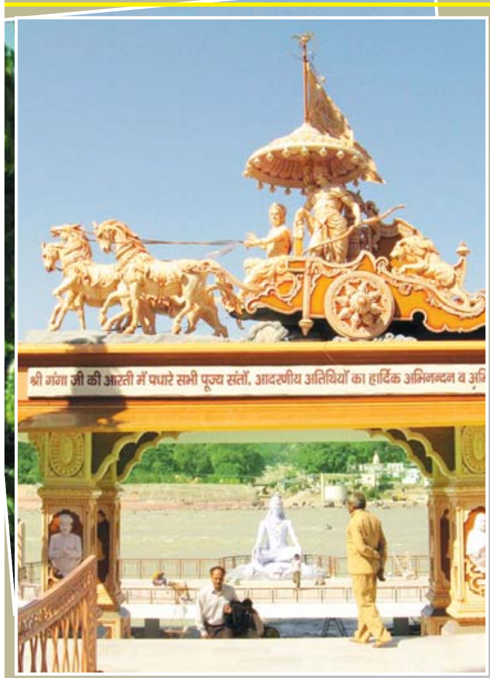

हिमालय का प्रवेशद्वार ऋषिकेश

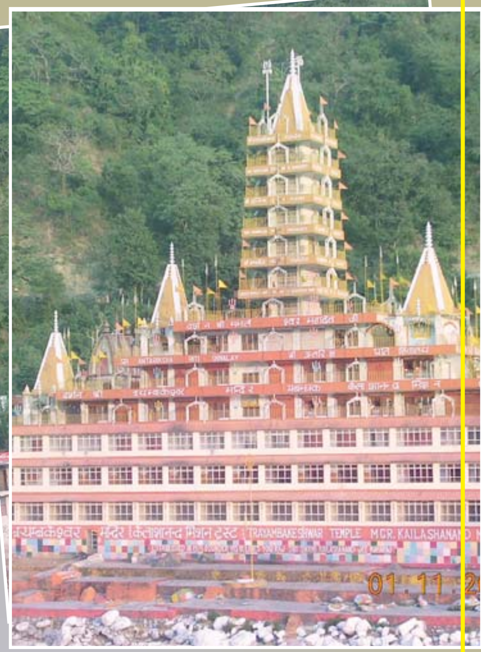

ऋषिकेश से संबंधित अनेक धार्मिक कथाएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान निकला विष शिव ने इसी स्थान पर पिया था। विष पीने के बाद उनका गला नीला पड़ गया और उन्हें नीलकंठ के नाम से जाना गया। एक अन्य अनुश्रुति के अनुसार भगवान राम ने वनवास के दौरान यहां के जंगलों में अपना समय व्यतीत किया था। रस्सी से बना लक्ष्मण झूला इसका प्रमाण माना जाता है।

हिमालय का प्रवेश द्वार, ऋषिकेश जहां पहुंचकर गंगा पर्वतमालाओं को पीछे छोड़ समतल धरातल की तरफ आगे बढ़ जाती है। हरिद्वार से मात्र 24 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ऋषिकेश विश्व प्रसिद्ध एक योग केंद्र है। ऋषिकेश का शांत वातावरण कई विख्यात आश्रमों का घर है। उत्तराखण्ड में समुद्र तल से 1360 फीट की ऊंचाई पर स्थित ऋषिकेश भारत के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में एक है। हिमालय की निचली पहाड़ियों और प्राकृतिक सुन्दरता से घिरे इस धार्मिक स्थान से बहती गंगा नदी इसे अतुल्य बनाती है। ऋषिकेश को केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री का प्रवेशद्वार माना जाता है। कहा जाता है कि इस स्थान पर ध्यान लगाने से मोक्ष प्राप्त होता है। हर साल यहां के आश्रमों के बड़ी संख्या में तीर्थयात्री ध्यान लगाने और मन की शान्ति के लिए आते हैं। विदेशी पर्यटक भी यहां आध्यात्मिक सुख की चाह में नियमित रूप से आते रहते हैं।

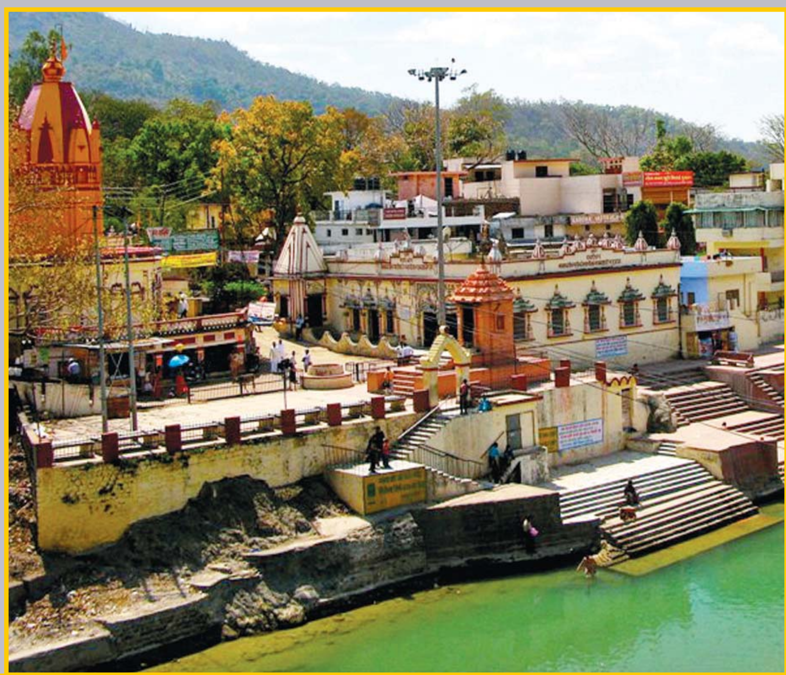

प्रचलित कथाएं

ऋषिकेश से संबंधित अनेक धार्मिक कथाएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान निकला विष शिव ने इसी स्थान पर पिया था। विष पीने के बाद उनका गला नीला पड़ गया और उन्हें नीलकंठ के नाम से जाना गया। एक अन्य अनुश्रुति के अनुसार भगवान राम ने वनवास के दौरान यहां के जंगलों में अपना समय व्यतीत किया था। रस्सी से बना लक्ष्मण झूला इसका प्रमाण माना जाता है। 1939 ई. में लक्ष्मण झूले का पुनर्निर्माण किया गया। यह भी कहा जाता है कि ऋषि राभ्या ने यहां ईश्वर के दर्शन के लिए कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान ऋषिकेश के अवतार में प्रकट हुए। तब से इस स्थान को ऋषिकेश नाम से जाना जाता है।

लक्ष्मण झूला

गंगा नदी के एक किनार को दूसरे किनारे से जोड़ता यह झूला शहर की खास पहचान है। इसे 1939 में बनवाया गया था। कहा जाता है कि गंगा नदी को पार करने के लिए लक्ष्मण ने इस स्थान पर जूट का झूला बनवाया था। झूले के बीच में पहुंचने पर वह हिलता हुआ प्रतीत होता है। 450 फीट लंबे इस झूले के समीप ही लक्ष्मण और रघुनाथ मंदिर हैं। झूले पर खड़े होकर आसपास के खूबसूरत नजारों का आनंद लिया जा सकता है। लक्ष्मण झूला के समान राम झूला भी नजदीक ही स्थित है। यह झूला शिवानंद और स्वर्ग आश्रम के बीच बना है। इसलिए इसे शिवानंद झूला के नाम से भी जाना जाता है।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश में स्नान करने का यह प्रमुख घाट है जहां प्रातः काल में अनेक श्रद्धालु पवित्र गंगा नदी में डुबकी लगाते हैं। कहा जाता है कि इस स्थान पर हिन्दु धर्म की तीन प्रमुख नदियों गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम होता है। इसी स्थान से गंगा नदी दायीं ओर मुड़ जाती है। शाम को होने वाली यहां की आरती का नजारा बेहद आकर्षक होता है।

राम झूला पुल

स्वामी विशुद्धानन्द द्वारा स्थापित यह आश्रम ऋषिकेश का सबसे प्राचीन आश्रम है। स्वामी जी को काली कमली वाले नाम से भी जाना जाता था। इस स्थान पर बहुत से सुन्दर मंदिर बने हुए हैं। यहां खाने पीने के अनेक रेस्तरां हैं जहां सिर्फ शाकाहारी भोजन ही परोसा जाता है। आश्रम की आसपास हस्तशिल्प के सामान की बहुत सी दुकानें हैं।

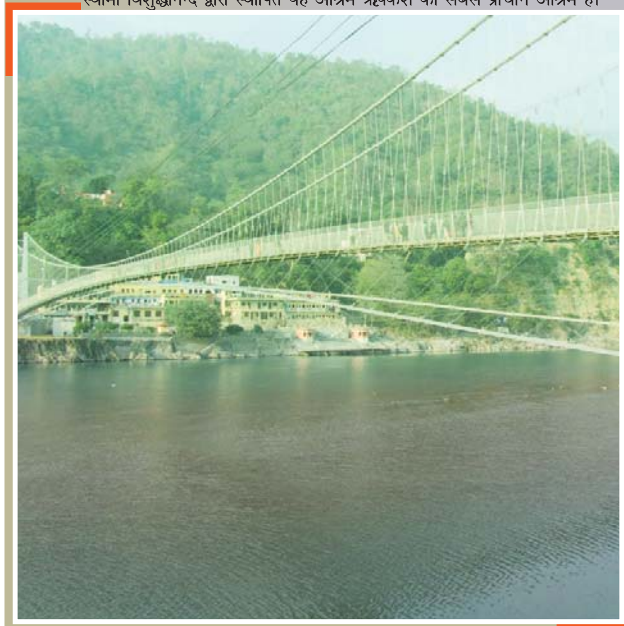

नीलकंठ महादेव मंदिर-

लगभग 5500 फीट की ऊंचाई पर स्वर्ग आश्रम की पहाड़ी की चोटी पर नीलकंठ महादेव मंदिर स्थित है। कहा जाता है कि भगवान शिव ने इसी स्थान पर समुद्र मंथन से निकला विष ग्रहण किया गया था। विषपान के बाद विष के प्रभाव के से उनका गला नीला पड़ गया था और उन्हें नीलकंठ नाम से जाना गया था। मंदिर परिसर में पानी का एक झरना है जहां भक्तगण मंदिर के दर्शन करने से पहले स्नान करते हैं।

भरत मंदिर-

यह ऋषिकेश का सबसे प्राचीन मंदिर है जिसे 12 शताब्दी में आदि गुरू शंकराचार्य ने बनवाया था। भगवान राम के छोटे भाई भरत को समर्पित यह मंदिर त्रिवेणी घाट के निकट ओल्ड टाउन में स्थित है। मंदिर का मूल रूप 1398 में तैमूर आक्रमण के दौरान क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। हालांकि मंदिर की बहुत सी महत्वपूर्ण चीजों को उस हमले के बाद आज तक संरक्षित रखा गया है। मंदिर के अंदरूनी गर्भगृह में भगवान विष्णु की प्रतिमा एकल शालीग्राम पत्थर पर उकेरी गई है। आदि गुरू शंकराचार्य द्वारा रखा गया श्रीयंत्र भी यहां देखा जा सकता है।

कैलाश निकेतन मंदिर-

लक्ष्मण झूले को पार करते ही कैलाश निकेतन मंदिर है। 12 खंड़ों में बना यह विशाल मंदिर ऋषिकेश के अन्य मंदिरों से भिन्न है। इस मंदिर में सभी देवी देवताओं की मूर्तियां स्थापित हैं।

वशिष्ठ गुफा-

ऋषिकेश से 22 किमी. की दूरी पर 3000 साल पुरानी वशिष्ठ गुफा बद्रीनाथ-केदारनाथ मार्ग पर स्थित है। इस स्थान पर बहुत से साधु विश्राम और ध्यान लगाए देखे जा सकते हैं। कहा जाता है यह स्थान भगवान राम और बहुत से राजाओं के पुरोहित वशिष्ठ का निवास स्थल था। वशिष्ठ गुफा में साधुओं को ध्यानमग्न मुद्रा में देखा जा सकता है। गुफा के भीतर एक शिवलिंग भी स्थापित है।

गीता भवन-

राम झूला पार करते ही गीता भवन है जिसे 1950 ई. में श्रीजयदयाल गोयन्काजी ने बनवाया गया था। यह अपनी दर्शनीय दीवारों के लिए प्रसिद्ध है। यहां रामायण और महाभारत के चित्रों से सजी दीवारें इस स्थान को आकर्षण बनाती हैं। यहां एक आयुर्वेदिक डिस्पेन्सरी और गीताप्रेस गोरखपुर की एक शाखा भी है। प्रवचन और कीर्तन मंदिर की नियमित क्रियाएं हैं। शाम को यहां भक्ति संगीत की आनंद लिया जा सकता है। तीर्थयात्रियों के ठहरने के लिए यहां सैकड़ों कमरे हैं।

कैसे जाएं

वायुमार्ग–

ऋषिकेश से 18 किमी. की दूरी पर देहरादून के निकट जौली ग्रान्ट एयरपोर्ट नजदीकी एयरपोर्ट है। इंडियन एयरलाइन्स की फ्लाइटें इस एयरपोर्ट को दिल्ली से जोड़ती है।

रेलमार्ग–

ऋषिकेश का नजदीकी रलवे स्टेशन ऋषिकेश है जो शहर से 5 किमी. दूर है। ऋषिकेश देश के प्रमुख रलवे स्टेशनों से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग

दिल्ली के कश्मीरी गेट से ऋषिकेश के लिए डीलक्स और निजी बसों की व्यवस्था है। राज्य परिवहन निगम की बसें नियमित रूप से दिल्ली और उत्तराखंड के अनेक शहरों से ऋषिकेश के लिए चलती हैं।

खरीददारी

ऋषिकेश में हस्तशिल्प का सामान अनेक छोटी दुकानों से खरीदा जा सकता है। यहां अनेक दुकानें हैं जहां से साड़ियों, बेड कवर, हैन्डलूम फेबरिक, कॉटन फेबरिक आदि की खरीददारी की जा सकती है। ऋषिकेश में सरकारी मान्यता प्राप्त हैन्डलूम शॉप, खादी भंडार, गढ़वाल वूल और क्राफ्ट की बहुत सी दुकानें हैं जहां से उच्चकोटि का सामान खरीदा जा सकता है।

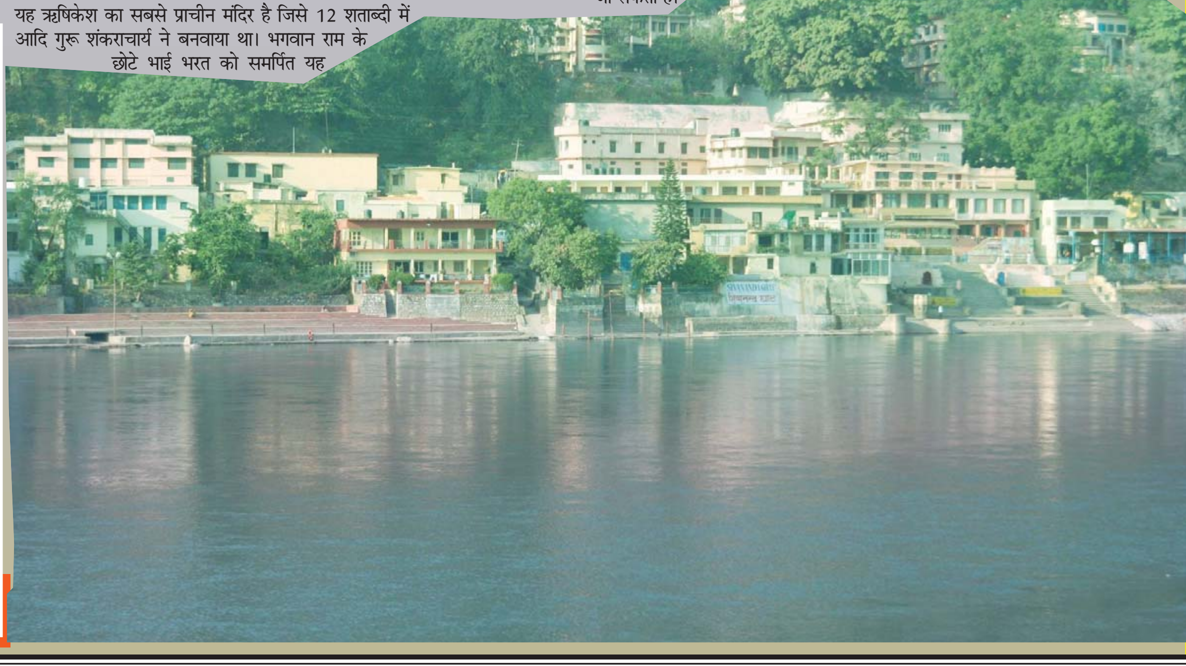

टाटा स्टील ने हरियाणा में लोहे के कबाड़ से इस्पात उतपादन संयंत्र चालू किया

नयी दिल्ली, टाटा स्टील ने बुधवार को कहा कि हरियाणा के रोहतक में उसका पहला इस्पात पुनर्चक्रण संयंत्र चालू हो गया। टाटा स्टील ने एक बयान में कहा कि पांच लाख टन प्रति वर्ष क्षमता वाले संयंत्र को आरती ग्रीन टेक लिमिटेड के सहयोग से बनाओ-रखो-चलाओ (बीओओ) आधार पर स्थापित किया गया है। कंपनी ने संयंत्र के संबंध में वित्तीय ब्यौरे का खुलासा नहीं किया। बयान में कहा गया, ''यह भारत में पहला ऐसा संयंत्र है, जो आधुनिक और मशीनीकृत उपकरणों जैसे श्रेडर, बेलर, मटेरियल हैंडलर आदि से युक्त है।'' टाटा स्टील में इस्पात पुनर्चक्रण व्यवसाय के प्रमुख योगेश बेदी ने कहा कि इस्पात को कई बार पुनर्चक्रित किया जा सकता है और यह अपने गुणों को नहीं खोता है। इसलिए इस्पात कबाड़ एक मूल्यवान संसाधन है और इस्पात बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। टाटा स्टील समूह दुनिया की शीर्ष इस्पात कंपनियों में से एक है। उसका सालाना कच्चा इस्पात क्षमता 3.40 करोड़ टन है।

अफगानिस्तान की स्थिति: एसोचैम ने कहा, भारत सरकार की पहल को उद्योग जगत का पूरा समर्थन

नयी दिल्ली, अफगानिस्तान में बिगड़ते सुरक्षा हालात के मद्देनजर उद्योग संगठन एसोचैम ने बुधवार को कहा कि भारतीय नेतृत्व भारतीयों की रक्षा करने और क्षेत्र में शांति, स्थिरता तथा प्रगति में व्यावहारिक भूमिका निभाने में सक्षम है। एसोचैम ने एक बयान में कहा, ''अफगानिस्तान में पैदा होते हालात के संबंध में हमारी सरकार जो भी पहल करेगी, भारतीय उद्योग जगत उसे पूरा समर्थन देगा।'' बयान में कहा गया कि पहले भी भारत ने अफगानिस्तान में कई अवसंरचना परियोजनाएं शुरू की थीं और एसोचैम आगे भी सरकार के साथ उसकी पहल में जुड़ा रहेगा।

सोना 152 रुपये घटा, चांदी 286 रुपये टूटी

नयी दिल्ली, वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख तथा रुपये में तेजी के बीच बुधवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 152 रुपये के नुकसान से 46,328 रुपये प्रति दस ग्राम पर आ गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,480 रुपये प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ था। इसी तरह चांदी भी 286 रुपये के नुकसान से 62,131 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 62,417 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना मामूली बढ़त के साथ 1,787 डॉलर प्रति औंस पर था। वहीं चांदी 23.74 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''वैश्विक बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच सोने के दामों में उतार-चढ़ाव रहा।''

डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे की बढ़त के साथ 74.24 रुपये पर

मुंबई, अन्य मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर होने के कारण अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे बढ़कर 74.24 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि हालांकि, घरेलू शेयरों में भारी बिकवाली दबाव तथा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने रुपये की तेजी पर अंकुश लगाया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में कारोबार की शुरुआत में रुपया 74.30 पर मजबूत खुला। कारोबार के दौरान 74.24 से 74.31 रुपये के दायरे में घूमने के बाद अंत में यह 11 पैसे की तेजी के साथ 74.24 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

सीईएस 2022 में आने वाले लोगों को कोविड टीकाकरण का प्रमाण दिखाना होगा अनिवार्य

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

सीईएस 2022 के आयोजकों ने घोषणा की है कि व्यक्तिगत रूप से उपस्थित लोगों और प्रदर्शकों को कोविड -19 टीकाकरण का प्रमाण दिखना होगा। अगले साल जनवरी में लास वेगास में एक हाइब्रिड कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ने की योजना बना रहे हैं। जो लोग लास वेगास की यात्रा करने में असमर्थ हो सकते हैं, उनके लिए द कंज्यूमर टेक्नोलॉजी एसोसिएशन (सीटीए), वार्षिक तकनीकी सभा का आयोजक, एक डिजिटल कार्यक्रम तैयार करेंगे। जो इन-पर्सन प्रोग्राम चलेगा। सीईएस 2022 लास वेगास में 5-8 जनवरी, 2022 को होगा। सीटीए के अध्यक्ष और सीईओ गैरी शापिरो ने कहा, हम सभी टीकाकरण को प्रोत्साहित करने और सही सुरक्षा प्रोटोकॉल को लागू करने के माध्यम से महामारी को समाप्त करने में एक भूमिका निभाते हैं। हम लास वेगास में सीईएस 2022 में भाग लेने के लिए टीकाकरण के प्रमाण की आवश्यकता के द्वारा अपनी जिम्मेदारी ले रहे हैं।

संघों ने कहा, सुरक्षा और स्वास्थ्य सीईएस में एक प्राथमिकता है, और हम सीडीसी द्वारा राज्य और स्थानीय दिशानिदेशरें का पालन करेंगे। सीटीए स्थिति की निगरानी और मूल्यांकन करना जारी रखेगा। लास वेगास में, उपस्थित लोग वैश्विक कंपनियों की कई नई तकनीकों का अनुभव करेंगे।

विचारकों से प्रौद्योगिकी के भविष्य के बारे में चर्चा और अन्य उपस्थित लोगों के साथ आमने-सामने सहयोग करेंगे। लास वेगास में प्रमुख ब्रांड और स्टार्ट-अप सहित 1,000 से अधिक कंपनियां होंगी। सीईएस 2022 नई श्रेणियों को प्रदर्शित करेगा, जिसमें यह दिखाया जाएगा कि उद्योग कैसे विकसित हो रहा है, जिसमें अंतरिक्ष तकनीक, खाद्य तकनीक और एनएफटी शामिल हैं। आयोजकों ने कहा कि जनरल मोटर्स की चेयर और सीईओ मैरी बारा और टी-मोबाइल के सीईओ माइक सीवर्ट सहित लाइव कीनोट्स के दौरान दर्शक उद्योग जगत के नेताओं से सुनेंगे।

अफगानिस्तान केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा: देश में विदेशी मुद्रा भंडार उपलब्ध नहीं

काबुल: अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा है कि देश का करीब नौ अरब डॉलर का आरक्षित मुद्रा भंडार विदेशों में है। उन्होंने कहा कि देश में नकदी के तौर पर कोई विदेशी मुद्रा उपलब्ध नहीं है। अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक के प्रमुख अजमल अहमदी ने बुधवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश की करीब नौ अरब डॉलर की राशि में से सात अरब डॉलर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के बांड, संपत्तियों और सोने में जमा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अफगानिस्तान के पास अमेरिकी मुद्रा का भंडार 'शून्य' है। उन्होंने कहा कि तालिबान द्वारा देश पर कब्जे के बीच देश को नकदी का भंडार नहीं मिल पाया है। उन्होंने लिखा है कि नकदी की अगली खेप नहीं आ पाई। गवर्नर ने कहा है कि अमेरिकी डॉलर की कमी से अफगानिस्तान की मुद्रा का मूल्य गिरेगा और महंगाई बढ़ेगी। इसका सीध असर गरीब जनता पर पड़ेगा।

पहली तिमाही में जीडीपी20प्रतिशत बढ़ने का अनुमान, पर कोविड-पूर्व के स्तर से रहेगी कम: इकरा

मुंबई: रेटिंग एजेंसी इकरा ने बुधवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 20 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है लेकिन इस वृद्धि के बावजूद यह कोविड-19 से पहले के स्तर की तुलना में काफी कम रहेगी। इकरा ने कहा कि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में जीडीपी 24 प्रतिशत तक सिकुड़ गई थी, जिससे तुलना के कारण कोरोना की दूसरी लहर का प्रभाव आलोच्य तिमाही में कम दिख रहा है। एजेंसी ने कहा कि सरकार की तरफ से मजबूत पूंजीगत व्यय, व्यापारिक निर्यात और कृषि क्षेत्र में मांग से आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा मिला है। इसी के कारण 30 जून 2021 को समाप्त तिमाही में जीडीपी के 20 प्रतिशत और सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में 17 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। इकरा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, ''पिछले वर्ष के निम्न आंकड़ों से तुलना के कारण इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी में दहाई अंक की वृद्धि काफी ऊंची रहने का अनुमान है। वहीं, हमारा अनुमान है कि कोविड से पहले यानी वित्त वर्ष 2019-20 की पहली तिमाही की तुलना में इस बार जीडीपी और जीवीए में 9 प्रतिशत की गिरावट रहेगी। वही भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा समीक्षाधीन तिमाही के लिए इस महीने फिर से जारी अनुमान में जीडीपी में 21.4 प्रतिशत बढ़त की उम्मीद जताई गई है। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय से पहली तिमाही के आर्थिक गतिविधियों पर आधिकारिक आंकड़े इस महीने के अंत तक आने की उम्मीद है।

बड़ा फैसला: खाद्य तेल जल्द होगा सस्ता, मोदी कैबिनेट ने 11,040 करोड़ रुपए की योजना को दी मंजूरी

(एजेंसी):

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में लिए गए नीतिगत फैसलों की घोषणा की। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पाम ऑयल मिशन के कार्यान्वयन को मंजूरी दे दी है। इस पर कुल 11,040 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसका उद्देश्य तिलहन और पाम ऑयल का क्षेत्र और उत्पादन को बढ़ावा देना है। राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन के तहत सरकार का लक्ष्य पाम ऑयल का उत्पादन बढ़ाना है। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि, 'इससे पूंजी निवेश बढ़ेगा, रोजगार पैदा करने में मदद मिलेगी, आयात पर निर्भरता कम होगी और किसानों की आय भी बढ़ेगी।' इसके साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पाम ऑयल से जुड़ी इंडस्ट्री लगाने पर 5 करोड़ रुपए की सहायता देने का भी ऐलान किया है। मालूम हो कि विश्वभर में करीब 8 करोड़ टन पाम ऑयल का उत्पादन होता है। भारत अपनी घरेलू खपत के लिए इंडोनेशिया और मलयेशिया से पाम ऑयल आयात करता है। जुलाई में देश का पाम तेल आयात 43 फीसदी कम होकर 465,606 टन रह गया। यह पांच महीने का निचला स्तर है।

पहले घटाया था कच्चे पाम तेल पर आयात शुल्क

इससे पहले घरेलू बाजार में खाद्य तेल के दाम घटाने के लिए सरकार ने कच्चे पाम तेल पर आयात शुल्क घटाकर 10 फीसदी कर दिया था। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीआईसी) ने बताया था कि अन्य पाम तेल पर आयात शुल्क 37.5 फीसदी रहेगा। आयात शुल्क की नई दरें 30 जून से 30 सितंबर, 2021 तक लागू हैं। इससे पहले तक कच्चे पाम तेल पर मूल सीमा शुल्क 15 फीसदी और आरबीडी पाम तेल, आरबीडी पामोलिन, आरबीडी पाम स्ट्रेन व अन्य पाम तेल पर सीमा शुल्क 45 फीसदी रहता था।

मुनाफावसूली से सेंसेक्स रिकॉर्ड उच्चस्तर से फिसला, बैंकिंग शेयरों में गिरावट

मुंबई (एजेंसी).

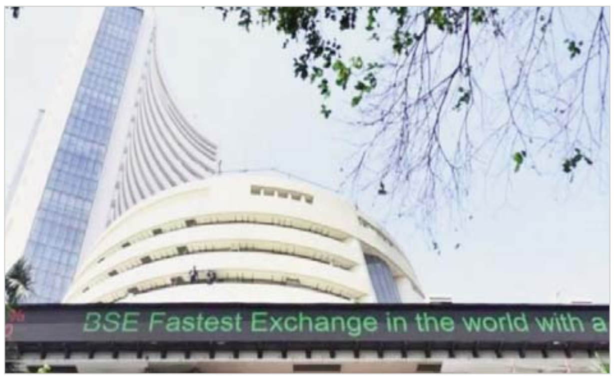

बीएसई सेंसेक्स बुधवार को पहली बार 56,000 अंक के स्तर को पार करने के बाद फिसल गया। निवेशकों द्वारा बैंकिंग, वित्तीय और आईटी कंपनियों के शेयरों में मुनाफा काटने से सेंसेक्स 163 अंक के नुकसान के साथ बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 56,118.57 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर तक गया था। हालांकि, बाद में इसमें गिरावट आई। अंत में सेंसेक्स 162.78 अंक या 0.29 प्रतिशत के नुकसान से 55,629.49 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 45.75 अंक या 0.28 प्रतिशत के नुकसान से 16,568.85 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान इसने 16,701.85 अंक का अपना सर्वकालिक उच्चस्तर भी छुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक बैंक का शेयर सबसे अधिक 2.09 प्रतिशत टूट गया। आईसीआईसीआई बैंक, पावरग्रिड, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी, एक्सिस बैंक तथा मारुति के शेयर भी नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, नेस्ले इंडिया और बजाज ऑटो के शेयर 2.46 प्रतिशत तक चढ़ गए। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''मुनाफावसूली दबाव में स्थानीय बाजारों ने अपना शुरुआती लाभ गंवा दिया। विशेषरूप से बैंकिंग, रियल्टी और धातु कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई। हालांकि, मिडकैप की वजह से बाजार को कुछ राहत मिली। व्यापक रूप से बाजार का रुख कमजोर रहा।'' उन्होंने कहा कि यूरोक्षेत्र में जुलाई में मुद्रास्फीति बढ़कर 2.2 प्रतिशत हो गई है, जिससे यूरोपीय बाजारों में सतर्कता का रुख था। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ''रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंचने के बाद घरेलू सूचकांकों ने अपना समूचा लाभ गंवा दिया और बिकवाली दबाव के बीच ये नुकसान के साथ बंद हुए। विशेषरूप से निजी क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में गिरावट आई।'' रिजर्व बैंक ने निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक पर लगी नए क्रेडिट कार्ड जारी करने की रोक हटा दी है। इससे बैंक के शेयर में तेजी आई। बीएसई मिडकैप में 0.26 प्रतिशत का लाभ रहा। स्मॉलकैप में 0.18 प्रतिशत की गिरावट आई। अन्य एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की तथा दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहे। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार नुकसान में थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.90 प्रतिशत की बढ़त के साथ 69.65 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 11 पैसे की बढ़त के साथ 74.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इस बीच, शेयर बाजारों के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को शुद्ध रूप से 343.73 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

रेनो इंडिया ने सुप्रसिद्ध भारोत्तोलक और #TokyoOlympics2020 में रजत पदक विजेता, साइखोम मीराबाई चानू को एकदम स्पोर्टी व स्मार्ट और बेहद आकर्षक 'रेनो काइगर' उपहार स्वरूप प्रदान किया

नई दिल्ली। विगत 10 वर्षों से भारत में अपने कारोबार का संचालन करने वाले रेनो सुप्रसिद्ध भारोत्तोलक और #TokyoOlympics2020 में रजत पदक विजेता, साइखोम मीराबाई चानू को वैश्विक मंच पर शानदार प्रदर्शन करने तथा अपने कारनामे से हर भारतीय को गौरवान्वित करने के लिए 'रेनो काइगर' उपहार स्वरूप प्रदान किया। पूर्वी इम्फाल के एक छोटे-से गाँव की रहने वाली मीराबाई ने न केवल पूरे देश के जोश व उत्साह को चरम सीमा तक पहुंचाया, बल्कि अपनी सच्ची लगन और दृढ़-संकल्प की वजह से वह दूसरे एथलीटों के लिए प्रेरणा स्रोत भी बनीं। उनके इस सफ़र में एक अरब भारतीयों के आकांक्षाओं की झलक दिखाई देती है, जो अपनी सामान्य पृष्ठभूमि से बाहर निकलकर कुछ कर गुज़रने की इच्छा रखते हैं। रेनो बेहद आकर्षक, स्मार्ट और स्पोर्टी लुक वाले काइगर के साथ बड़े गर्व से उनके इस सफ़र का जश्न मना रहा है।

श्री सुधीर मल्होत्रा, वाइस प्रेसिडेंट – सेल्स एंड मार्केटिंग, रेनो इंडिया, ने #TokyoOlympics2020 में रजत पदक विजेता, साइखोम मीराबाई चानू को बिल्कुल नए रेनो काइगर की चाबी सौंपी। रेनो चार मीटर से कम की श्रेणी में बिल्कुल नई कॉम्पैक्ट SUV है, जिसे खास तौर पर भारत के लिए डिजाइन और विकसित किया गया है। कई स्मार्ट सुविधाओं से सुसज्जित, स्पोर्टी और विश्व-स्तरीय टर्बोचार्ज्ड 1.0रु पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित, रेनो काइगर मूल रूप से भारतीय मोटर वाहन बाजार को ध्यान में रखकर तैयार किया गया एक सफल उत्पाद है। स्पोर्टी और मस्क्यूलर एलिमेंट्स की वजह से इसकी शानदार डिज़ाइन में चार चांद लग जाते हैं, जो रेनो काइगर को सही मायने में एक SUV बनाता है। इसके भीतरी हिस्से की बात की जाए तो रेनो काइगर में बेहतरीन टेक्नोलॉजी, शानदार कार्यक्षमता और ज्यादा जगह वाला एक स्मार्ट केबिन मौजूद है। इसमें दमदार प्रदर्शन वाला, अत्याधुनिक एवं बेहद कुशल इंजन लगाया गया है जो स्पोर्टी ड्राइव को सुनिश्चित करेगा, साथ ही यह मल्टी सेंस ड्राइव मोड की सुविधाओं से सुसज्जित होगा, जो ग्राहकों की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए उनके लिए ड्राइविंग को उपयुक्त व सुविधाजनक बनाता है।

वेस्टर्न डिजिटल ने एंडप्वाईट से क्लाउड तक एआई-इनेबल्ड वर्कलोड के विकास के लिए स्मार्ट वीडियो सर्वियलेंस सॉल्यूशंस का विस्तार किया

दुनिया के एसेंशियल डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर को सशक्त करते हुए, वेस्टर्न डिजिटल कॉर्प. ;छौ्क़फरू ॅक्ब्द्ध ने आज नई जनरेशन के उन्नत एआई-इनेबल्ड रिकॉर्डर एवं बैक-एंड सर्वर के लिए डब्लूडी पर्पल प्रो प्रोडक्ट लाईन के साथ डब्लूडी पर्पल फैमिली के विस्तार की घोषणा की। आईडीसी के अनुसार विश्व में वीडियो सर्वियलेंस कैमरा बाजार सन 2019 में 23.6 बिलियन डॉलर से सन 2025 में अनुमानत: 44 बिलियन डॉलर तक बढ़ेगा। विकसित होते हुए स्मार्ट वीडियो आर्किटेक्चर, जो भारी संख्या में वीडियो डेटा को कैप्चर, स्टोर एवं एनालाईज़ करते हैं एवं भारी डीप-लर्निंग वीडियो एनालिटिक्स करते हैं, उनसे स्टोरेज सबसिस्टम्स पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है। नई डब्लूडी पर्पल प्रो लाईन, डीप लर्निंग एनालिटिक्स परफॉर्म करने वाले समाधानों सहित ए-आई इनेबल्ड नेटवर्क वीडियो रिकॉर्डर्स (एनवीआर), वीडियो एनालिटिक्स सर्वर, स्टोरेज ऐरे एवं स्टोरेज/सर्वर समाधानों जैसी विभिन्न डिवाइसेस के लिए ऑप्टिमाईज़्ड स्टोरेज परफॉर्मेंस, सामर्थ्य, वर्कलोड की क्षमता एवं विश्वसनीयता के साथ इन वर्कलोड्स को सम्हालने के लिए डिज़ाइन की गई है।

श्री जगन्नाथ चेलिया, डायरेक्टर – मार्केटिंग, इंडिया, वेस्टर्न डिजिटल ने कहा, ''डब्लूडी पर्पल प्रो प्रोडक्ट लाईन शामिल होने के साथ स्मार्ट वीडियो स्टोरेज उत्पादों का हमारा डब्लूडी पोर्टफोलियो आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस की क्षमताओं का उपयोग करने के लिए उत्तम स्थिति में है। पारंपरिक सीसीटीवी कैमरे से अलग, स्मार्ट सीसीटीवी कैमरा आज एआई आधारित रियल टाईम एवं बैच एनालिटिक्स के लिए विभिन्न वीडियो स्ट्रीम कैप्चर व ट्रांसफर करते हैं। ऑल फ्रेम्स एआई टेक के साथ हमारे डब्लूडी पर्पल प्रो एचडीडी में गहन वर्कलोड सम्हालने की क्षमता है और ये यूज़र्स को गहन जानकारी प्राप्त करने में समर्थ बनाते हैं।'' श्री खालिद वानी, डायरेक्टर, सेल्स, इंडिया, वेस्टर्न डिजिटल ने कहा, ''विकसित होते हुए एआई वर्कलोड एवं 4के रिज़ॉल्यूशन के साथ वीडियो फीड्स द्वारा, उच्च क्षमता एवं विश्वसनीयता की जरूरतों को संबोधित करने के लिए स्मार्ट वीडियो स्टोरेज समाधान की अत्यधिक आवश्यकता है। अनेक विशाल बुनियादी ढांचे वाले प्रोजेक्ट सुरक्षा के अलावा इस्तेमाल के लिए एआई आधारित स्मार्ट वीडियो समाधान तलाश रहे हैं। 18 टीबी तक की क्षमता के साथ डब्लूडी पर्पल प्रो ओरिज़िनल ईक्विपमेंट निर्माताओं एवं सिस्टम इंटीग्रेटर्स को बाजार की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने में समर्थ बनाने के लिए आदर्श समाधान प्रदान करता है।''

सोनी ने लंबी बैटरी लाइफ के साथ पावरफुल वायरलेस पार्टी स्पीकर की नई "एक्स -सिरीज" रेंज पेश की

नई दिल्ली। सोनी इंडिया ने आज मेगा बास और लाइव साउंड के साथ पावर्ड वायरलेस पोर्टेबल स्पीकर्स -SRS-XP700, SRS-XP500 और SRS-XG500 की अपनी नई रेंज की घोषणा की, जो उन्हें इनडोर और आउटडोर एक्टिविटिज़ के लिए उपयुक्त बनाती है। अब संगीत को फुल वॉल्यूम में बजाएं और पूरी रात साफ और रिच साउंड पर डांस करें। स्पीकरों की नई एक्स-सिरीज रेंज को विशेष रूप से म्यूजिक की किसी भी शैली का लुत्फ उठाने के लिए शक्तिशाली और वाइड-स्प्रेड साउंड देने करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। चाहे आप अकेले सुन रहे हों या दोस्तों के ग्रुप के साथ, नए एक्स-सिरीज स्पीकर हर किसी के स्टाइल से मैच होते हैं। आप एक ऐसा स्पीकर चुन सकते हैं जो साउंड की क्वालिटी, पोर्टेबिलिटी, ड्यूरेबिलिटी और लाइटिंग पर च्वाइस की वाइड रेंज के साथ आपको पूरी तरह से सूट करता है।

बेहतर म्यूजिक एक्सपीरियंस के लिए मेगा बास और लाइव साउंड मोड के साथ इनोवेटिव X-Balanced speaker यूनिट

एक्स-सिरीज के स्पीकर्स में सोनी का इनोवेटिव X-Balance है। गैर-गोलाकार डायाफ्राम स्पीकर के क्षेत्र को बढ़ाकर अधिक साउंड प्रेशर और खराब साउंड कम देता है, जिसका अर्थ है रिच, साफ साउंड, भले ही आप किसी भी स्टाइल का म्यूजिक सुन रहे हों। पूरी रेंज में मेगा बास फीचर आपको स्पीकर पर बास बढ़ाने देता है, जो गहरा और पंची बास देता है। नए एक्स-सिरीज स्पीकर्स के साथ अब म्यूजिक का लाइव के जैसे आनंद लें। लाइव साउंड मोड उस अनूठे माहौल को फिर से बनाता है और आपके पसंदीदा म्यूजिक एक्सपीरियंस को फिर से जीने में मदद करता है। अब नए XG500 , (30 घंटे तक), XP700 (25 घंटे तक) और XP500 (20 घंटे तक) पर लंबे समय तक चलने वाली बैटरी लाइफ के साथ अपनी आवाज को अपने साथ कहीं भी ले जाएं। अगर आपको लगता है कि आपके स्पीकर की बैटरी खत्म हो रही है, तो चिंता करने की कोई बात नहीं है। क्विक चार्जिंग XG500 और XP700 (10 मिनट चार्ज, 3 घंटे प्लेबैक) के साथ, XP500 (10 मिनट चार्ज, 80 मिनट प्लेबैक) कुछ ही देर में सुप्रीम साउंड देने के लिए तैयार हो जाएगा। तीनों स्पीकर में बैटरी केयर मोड है, जो बैटरी के जीवनकाल को बढ़ाने के लिए आपके स्पीकर को 100% चार्ज होने से रोकता है।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने सुंदर भारत नामक पहल के अंतर्गत भारत के सभी ओलंपिक एथलीटों के लिए घर की मुफ्त पेंटिंग की पेशकश की

भारत की पर्यावरण के लिए अनुकूल पेंट कंपनी और 13 बिलियन डॉलर के जेएसडब्ल्यू समूह के एक अंश, जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने भारत के प्रत्येक ओलंपिक एथलीट के लिए सुंदर भारत नामक ओलंपिक से संबंधित एक पहल की घोषणा की है। सुंदर भारत पहल के अनुसार, 1947 से ओलंपिक खेलों में किसी भी खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रत्येक भारतीय एथलीटों के घरों की मुफ्त पेंटिंग की पेशकश जेएसडब्ल्यू पेंट्स द्वारा की जायेगी। यह कंपनी इस पहल के तहत भारतीय ओलंपिक एथलीटों या उनके परिजनों को 1808 जल आधारित रंगों के अपने पूरे पोर्टफोलियो की पेशकश कर रही है। जेएसडब्ल्यू ने अपनी इस प्रतिज्ञा की प्रणाली को सुगम बनाया है। इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए योग्य एथलीट को जेएसडब्ल्यू पेंट्स कस्टमर केयर नंबर 1800-121-5797 पर कॉल करना होगा। कोई जेएसडब्ल्यू पेंट्स बडी इस अनूठे वचन को निभाने के लिए उनसे संपर्क करेगा।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स के प्रबंध निदेशक श्री पार्थ जिंदल के अनुसार, "जेएसडब्ल्यू ग्रुप में, हम हमेशा अपने उपभोक्ताओं को सार्थक महत्व प्रदान करने और अपने हितधारकों के साथ गहरे संबंधों का निर्माण करने में विश्वास करते हैं। हम अपने सम्मानित उपभोक्ताओं के जीवन को सुंदर बनाने के लिए हज़ारों विचार प्रकट करने वाले उत्पाद, जेएसडब्ल्यू एक्सपीरियंस पर भरोसा करके इसे प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। सुंदर भारत जेएसडब्ल्यू पेंट्स की ऐसी ही एक अभिव्यक्ति है। इस प्रयास के माध्यम से, 1947 से भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले और हमें गौरवान्वित करने वाले एथलीटों के घरों और जीवन को रोशन करने के लिए 1808 जल-आधारित रंगों के अपने संपूर्ण पोर्टफोलियो की पेशकश करके हम अपने देश के खेल-कूद के माहौल को प्रफुल्लित करना चाहते हैं। ओलंपिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों के घरों को रंगना जेएसडब्ल्यू पेंट्स के लिए सम्मान की बात है।"

भारत में हॉकी का भविष्य उज्जवल है : मनप्रीत

भुवनेश्वर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा है कि भारत में हॉकी का भविष्य काफी उज्जवल है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 41 साल के अंतराल के बाद टोक्यो ओलंपिक में जर्मनी को 5-4 से हराकर कांस्य पदक जीता था। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के सम्मान समारोह में भाग लेने के लिए यहां आई हुई है। मनप्रीत ने कहा, 2008 में हम लोग ओलंपिक के लिए क्वालीफाई भी नहीं कर सके थे, लेकिन हालात कुछ वर्षों में बदल गए और उसका नतीजा दिख रहा है। भारत ने अब विश्व रैंकिंग में अपने स्थान में भी सुधार किया है। उन्होंने कहा, हां, यह सही है कि हमने यहां पहुंचने में काफी समय लिया। लेकिन अब हमें उस तरह का इंफ्रास्ट्रक्चर और सहायता मिली जो बेस्ट एथलीट्स के लिए जरूरी है। हमारे देश में हॉकी का भविष्य उज्जवल है। मनप्रीत ने साथ ही कहा कि टीम का ध्यान अब एशिया खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों पर केंद्रित है। भारतीय कप्तान ने कहा, हम टोक्यो में किए गए अपने प्रदर्शन का विशलेषण करेंगे और जहां भी सुधार की जरूरत होगी वहां सुधार कर लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते रहेंगे। ओडिशा में उनके अनुभव के बारे में पूछे जाने पर मनप्रीत ने कहा, हम लोगों को पिछली बार भुवनेश्वर में विश्व कप के दौरान ओडिशा से काफी प्यार मिला था।

हमें पांच या छह टीमों के साथ महिला आईपीएल शुरू करने की जरूरत है : मंधाना

भारतीय महिला टीम की सलामी

मुंबई। बल्लेबाज स्मृति मंधाना का मानना है कि पांच या छह टीमों के साथ महिला आईपीएल को शुरू करना चाहिए। मंधाना हाल ही में द हंड्रेड टूर्नामेंट से वापस लौटी हैं। उन्होंने वहां सात मैचों में 27.83 के औसत से 167 रन बनाए थे। मंधाना इसके साथ ही इंग्लैंड में किया सुपर लीग में वेस्टर्न स्टोर्म के लिए खेली थीं तथा उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में महिला बिग बैश लीग में ब्रिस्बेन हीट का प्रतिनिधित्व किया था। मंधाना ने रविचंद्रन अश्विन के यू-ट्यूब चैनल में कहा, पुरुष और महिलाओं के लिए समान संख्या में राज्य हैं। जब उन्होंने पुरुष आईपीएल शुरू किया तो समान ही राज्य रखे, लेकिन समय बितने के साथ ही गुणवत्ता का स्तर बढ़ता रहा। आईपीएल जो आज है वो 10-11 साल पहले नहीं था। मेरे ख्याल से महिला क्रिकेट के लिए भी यह समान है। उन्होंने कहा, हमारे पास समान लड़कियां हैं जो क्रिकेट खेलती हैं। फिलहाल हमारे पास पांच या छह टीमें हैं जिनके साथ शुरूआत की जा सकती है और एक या दो साल बाद आठ टीमों के साथ इसका आयोजन हो सकता है। लेकिन जब तक हम शुरू नहीं करेंगे हमें पता नहीं चलेगा। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि आईपीएल जैसे किसी टूर्नामेंट के बिना भारत में महिला क्रिकेट की मजबूती पर बात नहीं की जा सकती है।मंधाना ने कहा, हमेशा इस बारे में चर्चा नहीं कर सकते कि यहां कोई मजबूती है या नहीं। हमारे पास ऐसा कोई टी20 टूर्नामेंट नहीं है जिसमें छह टीमें हिस्सा लेती हो, इसलिए हम नहीं बता सकते कि मजबूती है या नहीं। उन्होंने कहा, पांच या छह टीम के साथ हम आराम से बढ़ सकते हैं लेकिन आठ टीमों को लेकर मैं अभी भी यकीन से नहीं बोल सकती। हालांकि, मुझे लगता है कि हमें पांच या छह टीमों के साथ शुरू करने की जरूरत है जिससे जल्द ही आठ टीमें भी आ जाएं।

रियो पैरालम्पिक के स्वर्ण पदक विजेता मरियप्पन सहित आठ लोग टोक्यो पहुंचे

नई दिल्ली। ऊंची कूद एथलीट मरियप्पन थंगावेलु दो अन्य पैरा एथलीटों और छह सहायक स्टाफ पैरालम्पिक के लिए बुधवार को टोक्यो पहुंच गए। भारत ने पैरालम्पिक शुरू होने से कुछ दिन पहले ही टोक्यो के लिए अपना पहला जत्था भेजा है। मरियप्पन जिन्होंने रियो में स्वर्ण पदक जीता था, वह टोक्यो में भारत के ध्वजावाहक होंगे। मरियप्पन के साथ डिस्कस थ्रोअर विनोद कुमार और पुरुष भाला फेंक एथलीट तेक चंद भी टोक्यो पहुंच गए हैं। टोक्यो रवाना होने से पहले भारतीय दल को केंद्रिय युवा मामले एंव खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और भारतीय पैरालम्पिक समिति (पीसीआई) के सदस्यों ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विदाई दी। गत 17 अगस्त को भारतीय दल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए चर्चा की थी जहां उन्होंने जीवन में इतनी सारी बाधाओं को पार करने के लिए पैरा एथलीटों की सराहना की। भारत ने टोक्यो पैरालम्पिक में अपना सबसे बड़ा दल भेजा है जिसमें 54 एथलीट भाग लेंगे। टोक्यो पैरालम्पिक का आयोजन 24 अगस्त से पांच सितंबर तक चलेगा।

मैरीकॉम ने माफी मांगी, प्रधानमंत्री ने कहा, जीत और हार जीवन का हिस्सा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रेकफास्ट पर भारतीय ओलंपिक दल की मेजबानी की और इस दौरान उन्होंने एमसी मैरीकॉम से बात करते हुए कहा कि उन्होंने पिछले एक दशक से देश में महिला एथलीटों को सुर्खियों में ला दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने आपको संसद में मिस किया। जिस पर राज्यसभा सांसद ने जवाब देते हुए कहा, मैं अभ्यास के कारण हिस्सा नहीं ले सकी। मैरीकॉम ने टोक्यो ओलंपिक में पदक नहीं जीत पाने को लेकर माफी मांगी। हालांकि प्रधानमंत्री ने कहा, जीत और हार जीवन का हिस्सा है। आपने खेल की दुनिया में बहुत बड़ा योगदान दिया है, विशेषकर भारत में। यह आपकी देन है जिसके कारण आज महिला एथलीट सुर्खियों में है। पिछले दशक से आप हावी रही हैं और आपने बहुत कुछ हासिल किया है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

राहुल और सिराज ने लगाई छलांग

दुबई। भारत के सलामी बल्लेबाजी लोकेश राहुल और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने बुधवार को आईसीसी की जारी ताजा टेस्ट रैंकिंग में बढ़त हासिल की। राहुल और सिराज ने भारत को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स मैदान पर मिली जीत में अहम भूमिका अदा की थी। इस जीत के साथ ही भारत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे हो गया है। राहुल ने पहली पारी में 129 रन बनाए थे जिस कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला था। राहुल 19 स्थान के सुधार के साथ 37वें नंबर पर पहुंचे हैं। सिराज ने भी 18 स्थान का उछाल कर 38वां स्थान हासिल किया है। सिराज ने लॉर्ड्स टेस्ट की दोनों पारियों में चार-चार विकेट लिए थे। इनके अलावा इंग्लैंड के कप्तान जोए रूट ने भी पहली पारी में नाबाद 180 रनों की पारी के दम पर बढ़त हासिल की है। वह 893 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। रूट और पहले स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन के बीच अब आठ अंकों का फासला रह गया है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन पहली पारी में पांच विकेट लेने के दम पर एक स्थान के सुधार के साथ छठे नंबर पर आ गए हैं। मार्क वुड भी मैच में पांच लेने के साथ ही 37वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम भी विंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में 30 और 25 रन बनाने के बाद दो स्थान के सुधार के साथ बल्लेबाजों की रैंकिंग में आठवें स्थान पर आ गए हैं। फहीम अशरफ और फवाद आलम क्रमशः 48वें और 55वें नंबर पर पहुंचे हैं। वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर गेंदबाजी रैंकिंग में नौवें नंबर पर पहंचे हैं। उन्होंने बल्लेबाजी रैंकिंग में भी पांच स्थान का सुधार किया है और 43वें नंबर पर आ गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

मैं सेना से हूं और हम सरेंडर नहीं करते : मक्केबाज सतीश

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में उजबेकिस्तान के बाखोदिर जालोलोव के हाथों हारने के बावजूद मुक्केबाज सतीश कुमार भारत के हीरो बने थे। भारतीय मुक्केबाज के सिर पर दो गहरे कट थे और उन्हें प्री क्वार्टर फाइनल के दौरान चोट भी लगी थी और उनका क्वार्टर फाइनल में खेलना तय नहीं लग रहा था। हालांकि, सतीश ने बाउट में हिस्सा लेने का फैसला किया और उन्होंने अपने विपक्षी मुक्केबाज के अलावा कई लोगों के दिल जीते। सतीश ने लखनऊ से आईएएनएस से कहा, जालोलोव ने मुझे गले लगाकर कहा कि आप सच्चे योद्धा हैं। बॉक्सिंग में कई उतार-चढ़ाव आते है। मुझे पता था कि वो बाउट देश के लिए जरूरी थी। उन्होंने कहा, मैं भारत को एक और पदक दिला सकता था। मेरे पिता ने भी मुझे नतीजे की परवाह किए बिना रिंग में उतरने के लिए प्रेरित किया। मैं सेना का व्यक्ति हूं और हम सरेंडर नहीं करते। एक जूनुन था, लड़ने का बस। सतीश ने कहा, मुझे खुशी है कि हारने के बावजूद लोगों ने मुझे प्यार दिया और इस तरह बधाई दी जैसे मैंने बाउट जीती हो। लेकिन मैं आश्वासन दिलाता हूं कि अगली बार पदक लाने के लिए काफी मेहनत करूंगा। यूपी के मुक्केबाज ने एथलीटों का समर्थन करने के लिए सरकार की सराहना की। सतीश ने कहा, सरकार से हमें जिस तरह का सम्मान मिल रहा है उससे मैं अभिभूत हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हम लोगों से अलग से बात की और टोक्यो में हमारे प्रदर्शन पर हम लोगों का समर्थन किया। कल लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी जी हमारे लिए सम्मान समारोह आयोजित कर रहे हैं और मैं इन सभी को हम लोगों का समर्थन करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

स्मिथ और फिंच टी 20 विश्व कप के लिए हो रहे तैयार

सीडनी। ऑस्ट्रेलियाई धाकड़ बल्लेबाज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और आरोन फिंच को इस साल की शुरूआत में लगी चोटों से जल्दी ठीक होने के बाद अक्टूबर-नवंबर में यूएई और ओमान में होने वाले आईसीसी टी 20 विश्व कप में खेलते देखे जा सकते है। स्मिथ जो कोहनी की चोट से उबर रहे हैं, उन्होंने न्यू साउथ वेल्स के मैदान में नेट्स में बल्लेबाजी शुरू कर दी है, वहीं ऑस्ट्रेलियाई सीमित ओवरों के कप्तान फिंच, जो घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं, उन्हें भी आशा है कि वह आईसीसी टी20 विश्व कप में खेल सकते हैं। फिंच ने बुधवार को क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा स्मिथ का रिहैब अच्छा चल रहा है। मुझे पता है कि वह पिछले कुछ हफ्तों में अपने बल्लेबाजी को और निखारने में लगा हुआ है। फिंच ने आगे कहा, सभी रिपोटरें का वो सख्ती से पालन कर रहा है, और यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि वह अपनी कोहनी का ज्यादा उपयोग नहीं करे। उसका रिहैब वास्तव में अच्छा चल रहा है। पिछली बार जब मैंने उससे बात की थी तो उसे बल्लेबाजी करने में कोई दर्द नहीं हो रहा था, वह हमारे अभियान का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा भी है।फिंच भी अपने घुटने की सर्जरी से ठीक होने के बारे में आश्वस्त हैं, उन्हें हाल ही में वेस्टइंडीज दौरे के दौरान चोट लगी थी, पर अब वे टी20 विश्व कप में खेलने में सक्षम हैं। उम्मीद की जा रही है कि ऑस्ट्रेलिया इस सप्ताह के अंत में अपनी विश्व कप टीम की घोषणा कर सकता है।

उम्मीद है कि आईपीएल में दर्शकों को शामिल होने की इजाजत दी जाएगी : बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को अगले महीने 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले आईपीएल के दूसरे चरण में दर्शकों को शामिल करने पर कोई दिक्कत नहीं है। इससे पहले अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के महासचिव मुबाशिर उस्मानी ने कहा था कि बोर्ड बीसीसीआई और यूएई सरकार के साथ स्टेडियम में दर्शकों को शामिल करने को लेकर चर्चा करेगा। बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरूण धूमल ने कहा है कि बोर्ड दर्शकों को देखना पसंद करेगा लेकिन तब जब इससे खिलाड़ियों और लोगों की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं पहुंचेगा। धूमल ने आईएएनएस से कहा, हम इस बारे में काम कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि यूएई सरकार दर्शकों को शामिल होने की मंजूरी देगी क्योंकि यहां वैक्सिनेशन हो चुका है। देखते हैं क्या होता है। उम्मीद करते हैं कि दर्शकों को शामिल होने की मंजूरी मिलेगी। शेष यूएई सरकार पर निर्भर करता है। रिपोर्ट के अनुसार, यूएई सरकार ने आईपीएल के शेष मुकाबलों के दौरान 60 फीसदी दर्शकों को शामिल करने के लिए हरी झंडी दे दी है। धूमल ने कहा कि आईपीएल 2022 में दो नई टीमें शामिल होंगी। उन्होंने कहा, सभी अब आईपीएल को देखते हैं। हमें भरोसा है कि यह यूएई में भी उत्साहित टूर्नामेंट है। यह आखिरी सीजन है जहां आईपीएल में आठ टीमें होंगी। संभव है कि अगली बार से इसमें 10 टीमें होंगी। हम इस बारे में काम कर रहे हैं। नई टीमों के बारे में विस्तार से पूछे जाने को लेकर बीसीसीआई कोषाध्यक्ष ने टिप्पणी करने से मना कर दिया। धूमल ने भारत को लॉर्ड्स मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत पर संतोष व्यक्त किया। धूमल ने कहा, हमारे पहले के रिकॉर्ड को देखते हुए यह बेहतरीन जीत थी। पहले हॉफ में कुछ चुनौतियां थी लेकिन बाद में जिस तरह से मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह ने बल्ले और गेंद से योगदान दिया वो सराहनीय है।

इस समय भारत पाकिस्तान से काफी बेहतर है : गंभीर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का कहना है कि पाकिस्तान जब भारत के साथ 24 अक्टूबर को आईसीसी टी 20 विश्व कप मुकाबले में खेलेगा तो उस पर भारी दबाव होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप-2 का पहला मुकाबला खेला जाएगा। इस ग्रुप में इन दो टीमों के अलावा न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान और दो क्वालीफाईंग टीमें भी होंगी। गंभीर ने कहा, मुझे यकीन है कि इससे पाकिस्तान पर भारी दबाव होगा क्योंकि भारत का विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 5-0 का रिकॉर्ड है। हमें इस बारे में बात नहीं करनी चाहिए कि क्या भारत पर दबाव होगा। पाकिस्तान पर इसका दबाव होगा क्योंकि उनसे काफी उम्मीदें होंगी। उन्होंने कहा, अगर देखा जाए तो इस वक्त भारत पाकिस्तान से काफी बेहतर है। हां, टी 20 में कोई भी किसी को हरा सकता है। हम किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते। अफगानिस्तान जैसी टीम भी कई बार भारी पड़ जाती है। ऐसा ही पाकिस्तान के साथ है लेकिन दबाव पाकिस्तानी टीम पर होगा। गंभीर ने कहा कि भारत ने 2007 टी 20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच जीता था और इसके बाद उसने आराम से शेष टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित किया था। गंभीर ने कहा, जब हमने 2007 टी20 विश्व कप में जीत हासिल की तो हमारा पहला मैच स्कॉटलैंड के खिलाफ था जो धुल गया था। इसके बाद हमारा पहला मुकाबला पाकिस्तान से हुआ। टूर्नामेंट के शुरूआत में पाकिस्तान के साथ खेलना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, आपको पाकिस्तान के बारे में ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं पड़ती। आप उनके साथ पहली ही खेल चुके होते हैं जिसके बाद आप शेष टूर्नामेंट में ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। मुझे दोनों देशों के लिए काफी खुशी है कि ये एक दूसरे के खिलाफ खेलेंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच 2013 से द्विपक्षीय सीरीज नहीं हुई है और इनके बीच मुकाबला सिर्फ आईसीसी इवेंट में ही देखने को मिलता है। भारत ने आखिरी बार पाकिस्तान के खिलाफ 2019 में इंग्लैंड में वनडे विश्व कप में मैच खेला था और उसे जीत मिली थी। आईसीसी टी20 विश्व कप यूएई और ओमान में 17 अक्टूबर से शुरू होगा और इसका फाइनल मुकाबला 14 नवंबर को दुबई में खेला जाएगा।

पाकिस्तान सीरीज के लिए अफगानिस्तान के बल्लेबाजी कोच बने गुनावर्दने

काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने पाकिस्तान के साथ होने वाली आगामी वनडे सीरीज के लिए श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज अविष्का गुनावर्दने को टीम का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच श्रीलंका में एक से पांच सितंबर तक यह सीरीज होगी। गुनावर्दने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हिलटन डिओन एर्कमैन के बदले टीम के बल्लेबाजी कोच बने हैं। गुनावर्दने इससे पहले श्रीलंका के राष्ट्रीय टीम के बल्लेबाजी कोच भी रह चुके हैं और वह श्रीलंक ए और ईमर्जिग टीम के कोच भी रहे हैं। एसीबी ने इससे पहले शॉन टैट को टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया था। ऐसा समझा जाता है कि गुनावर्दने को सिर्फ पाकिस्तान सीरीज के लिए बल्लेबाजी कोच पद का दायित्व सौंपा गया है और एसीबी बाद में उनका अनुबंध बढ़ाने पर कोई फैसला लेगी। टैट और गुनावर्दने के सीधे श्रीलंका में टीम के साथ जुड़ने की उम्मीद है। इस बीच, एसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हमीद शिंवारी ने क्रिकबज से कहा कि तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बावजूद उन्हें भरोसा है कि क्रिकेट पर इसका प्रभाव नहीं पड़ेगा।

स्पिन गेंदबाज हमारे टीम की मजबूती हैं : वेड

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर मैथ्यू वेड का कहना है कि इस साल अक्टूबर-नवंबर में यूएई में होने वाले टी 20 विश्वकप में स्पिन गेंदबाज टीम की मजबूती है। दुबई, अबु धाबी और शारजाह में धीमी पिच स्पिन गेंदबाजों को मदद देते हैं। ऑस्ट्रेलिया के दो स्पिन गेंदबाज रैंकिंग में शीर्ष-10 में शामिल हैं। लेग स्पिनर एडम जम्पा आठवें और लेफ्ट आर्म स्पिनर एश्टन एगर नौवें स्थान पर हैं। इनके अलावा ग्लेन मैक्सवेल और एश्टन एगर भी ऑफ स्पिन में टीम के काम आते हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के हवाले से वेड ने कहा, मेरे ख्याल से हमारा स्पिन गेंदबाजी विभाग ऐसा जिस पर हम हमेशा देखते हैं और मौजूदा टी20 टीम में जम्पा और एगर के होने से मजबूती है। उन्होंने कहा, आप आज से 10 साल पहले नहीं कह सकते थे कि सीमित ओवरों के प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया के पास स्पिन में ऐसी मजबूती थी, लेकिन पिछले दो-तीन वर्षों में जो अनुभव खिलाड़ियों ने हासिल किया है, उससे मजबूती आई है। वेड का मानना है कि अब समय है कि ऑस्ट्रेलिया को अपने पाले में टी20 विश्व कप का खिताब शामिल करना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया ने पांच बार वनडे विश्व कप और दो बार चैंपियंस ट्रॉफी जीती है लेकिन उसने अबतक टी 20 विश्व कप नहीं जीता है। ऑस्ट्रेलिया 2010 में टी 20 विश्व कप का उपविजेता रहा था। वेड ने कहा, एक टीम के रूप में हम सभी को पता है कि ऑस्ट्रेलिया ने एक ऐसा विश्व कप है जिसे नहीं जीता है। यह अच्छा होगा अगर हम अब इस ट्रॉफी को जीते। मेरे ख्याल से हम लोग इसके लिए तैयार हैं। हमारे पास कुछ अच्छे युवा और अनुभवी खिलाड़ी हैं। वेड ने हाल ही में नियमित कप्तान आरोन फिंच की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया टीम की कप्तानी की थी जहां उसे बांग्लादेश के खिलाफ 1-4 और वेस्टइंडीज के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था।

टेस्ट : बेरेटिनी सिनसिनाटी के तीसरे राउंड में पहुंचे

सिनसिनाटी। विंबलडन के फाइनलिस्ट इटली के मातेओ बेरेटिनी स्पेन के एलबर्ट रामोस विनोलास को हारकर बुधवार को वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में पहुंच गए। बेरेटिनी ने रामोस को दो घंटे 20 मिनट तक चले मुकाबले में 6-7(5), 6-3, 7-5 से हराया। बेरेटिनी विंबलडन के बाद इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। उन्हें विबंलडन के फाइनल में सर्बिया के नोवाक जोकोविच के साथ मुकाबले के दौरान चोट लगी थी। बेरेटिनी ने अपने पिछले 17 मुकाबलों में से 15 जीते हैं और उनका इस सीजन में रिकॉर्ड 33-7 का हो गया है। इस साल के बेलग्रेड और क्विंस क्लब के चैंपियन का अगले दौर में सामना 12वीं सीड कनाडा के फेलिक्स एउगर एलियासिमे और टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रूस के कारेन खाचानोव के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता खिलाड़ी से होगा। इससे पहले, सेबास्टियन कोर्दा ने 2021 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए लास्लो जेरे को 6-4, 6-4 से हराया। इस बीच, बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव ने 13वीं सीड स्पेन के रोबटरे बउतिस्ता अगुत को 6-3, 6-4 से हराया।

कपड़े के व्यापारियों के ४०० करोड़ रुपये डूब जाने का भय

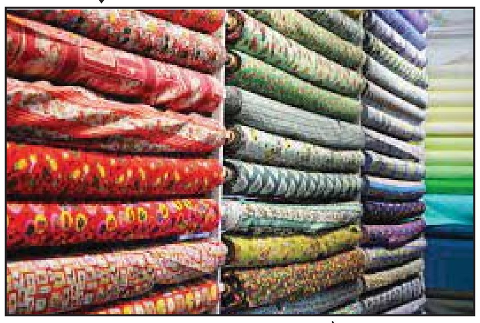

सूरत में बनते पंजाबी सूट और दुपट्टे की पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान में भारी मांग, व्यापारी मुश्किल में

सूरत । अफगानिस्तान में राजनीतिक अनिश्चितता और तालिबानों ने देश पर कब्जा कर लेने के बाद में देखने को मिल रही अंधाधूंधी का असर टेक्सटाइल का हब माना जाता सूरत में भी देखने को मिल रही है । जहां एक तरफ संघर्षग्रस्त देश में धंधे का नुकसान होने का लग रहा है तब दूसरी तरफ कपड़े के प्रॉडक्ट के निर्यातकों और दलालों का दावा है कि अशांति की वजह से करीब ४०० करोड़ रुपये का पेमेंट रुक गया है । अफगानिस्तान में जिस प्रकार की स्थिति है यह देखकर उनको बहुत जल्दी ४०० करोड़ रुपये का पेमेंट नहीं मिले ऐसा उनको डर है । सूरत में बनते पंजाबी सूट और दुपट्टा की पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान में भारी मांग है । तीन वर्ष पहले तक महिलाओं के लिए तैयार कपड़ा खरीदने के लिए अफगानिस्तान के व्यापारी अक्सर शहर की मुलाकात लेते थे । वह निजी रूप से वस्तुओं की पसंद करते थे और दिल्ली में उनके धंधे के सहयोगी के माध्यम से भरपाई करते थे । एक अनुमान के अनुसार कम से कम १०० करोड़ रुपये का कपड़ा हर महीने पाकिस्तान या दुबई के द्वारा अफगानिस्तान भेजा जाता था । कई निर्यातकों के लिए काम करते दलाल राजू भाटिया ने बताया कि, कपड़ा बाजार में क्रेडिट का समय तीन महीने तक का होता है और पाकिस्तान या दुबई के द्वारा अफगानिस्तान को उपलब्ध कराया जाता माल में, पेमेंट तीन से चार महीने में प्राप्त होता है । हालांकि, अशांति की वजह से निर्यातकों का करीब ४०० करोड़ रुपया रूका हुआ है । अशांति की वजह से पाकिस्तान या दुबई द्वारा निर्यात भी प्रभावित हुआ है । क्वॉलिटी और वेराइटी की वजह से शहर में बनते पंजाबी सूट और दुपट्टे की पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान में भारी मांग है । आयातकों यह प्रॉडक्टस चाहते है लेकिन अनियमित सप्लाई की वजह से कोई भी वर्तमान परिस्थिति में निर्यात करने का खतरा नहीं उठाना चाहता है । यह कपड़े के उत्पादक और निर्यातक गुरुपाल सिंह ने बताया।

स्तंभेश्वर महादेव दिन में दो बार पानी में डूब जाता है

अहमदाबाद । पवित्र सावन महीना चल रहा है । ऐसे में शिव मंदिरों में दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लग रही है । भगवान शिव की आराधना करने के लिए यह महीना विशेष होता है । ऐसे में सावन महीने के अवसर पर गुजरात के एक ऐसे शिव मंदिर के बारे में जाने, जो दिन में दो बार समुद्र में डूब जाता है । मंदिर का इस तरीके से डूब जाना और बाद में कुछ घंटे के बाद फिर से प्रकट होने की घटना को देखकर लोग अभिभूत हो जाते है । यह मंदिर गुजरात के वडोदरा शहर के पास कावी-कंबोई नाम के गांव में स्थित है । यह प्राचीन मंदिर में आने वाले भक्तों को भगवान शिव के दर्शन करने के लिए समुद्र के ज लस्तर कम होने का इंतजार करना पड़ता है । समुद्र में यह मंदिर दिन में दो बार पानी में डूब जाता है । कुछ घंटों के बाद पानी कम होने पर शिवलिंग फिर से नजर आने

लगता है । यह मंदिर अरब सागर के बीच केम्बे तट पर बनाया गया है । स्तंभेश्वर महादेव मंदिर के नाम से प्रसिद्ध यह तीर्थधाम के बारे में श्री महाशिवपुराण के रुद्र संहिता में उल्लेख किया गया है । पुराणों में उल्लेख के अनुसार यह मंदिर भगवान शिव के बेटे कार्तिकेय ने बनाया था । शिवभक्त ताडकासुर का वध करने के बाद कार्तिकेय बहुत ही बेचेन थे । तब उन्होंने अपने पिता के कहने पर ताडकासुर के वध स्थल पर यह मंदिर बनाया था । यह मंदिर का शिवलिंग करीब ४ फीट ऊंचा और २ फीट चौड़ा है । मंदिर की चमत्कारिक घटना के अलावा लोग यहां अरब सागर का सुंदर नजारा देखने को आते है ।

ब्रेक के बाद फिर से गुज रात में बारिश का आगमन

अहमदाबाद । गुजरात में लंबे विराम के बाद बारिश की शुरूआत हुई है । गुजरात के कई जि लों में बारिश होने पर लोगों में खुशी का माहौल है । गर्मी से राहत मिलते लोग खुशी से नाच उठे है । अहमदाबाद, वडोदरा, खेडा, पंचमहाल, दाहोद में गत दिन रात से भारी बारिश हुई । जि सकी वजह से लोगों ने राहत की सांस ली है । अब खेती को भी नया जीवन मिलेगा । करीब २५ दिन के बाद गुज रात में ऐसी बारिश देखने को मिली है । अहमदाबाद, वडोदरा, खेडा, नडियाद, पंचमहाल, दाहोद में भारी बारिश होने से मौसम में ठंडक बढ़ गई है । देर रात को कालुपूर, दिल्ली चकला, शाहपुर, दरियापुर सहित के पूर्व अहमदाबाद के कई क्षेत्रों में भारी बारिश हुई है । सामान्य बारिश होने पर अहमदाबाद के रास्तों पर पानी भर जाता है । गत दिन देर रात को हुई बारिश की वजह से आज अहमदाबाद के कई क्षेत्रों में पानी भरा दृश्य देखने को मिला है । सामान्य बारिश में भी अहमदाबाद कॉर्पोरेशन के प्री-मानसून प्लान फेल हो जाता है । शहर के प्रहलादनगर क्षेत्र में स्थित आनंद नगर रोड पर पानी भर जाने से लोगों को परेशानी

का सामना करना पड़ रहा है । वडोदरा शहर और जिले में भी भारी बारिश हुई है । लोग पिछले २० दिन से बारिश का इंतजार कर रहे थे । अब लंबे समय के बाद बारिश आने पर लोगों की अपेक्षा का अंत आया है । पंचमहाल जिले में रात के दौरान सभी जगह बारिश दर्ज की गई । कहीं भारी बारिश तो कहीं हल्की बारिश देखने को मिली । जिले में सबसे ज्यादा पोने दो इंच (४३ मीमी) बारिश जांबुघोडा में दर्ज की गई । गोधरा में १० मीमी, हालोल में १० मीमी, कालोल में ६ मीमी, शहेरा में २ मीमी, मोरवा हडफ में १३ मीमी और घोघंबा में ७ मीमी बारिश दर्ज की गई ।

एसटी-बाइक की दुर्घटना, टायर नीचे आ जाने से बच्चे की मौत

अहमदाबाद । महीसागर जिले में बुधवार को एक भीषण दुर्घटना में बच्चे की मौत हुई है । दुर्घटना एसटी की लोकल बस और बाइक के बीच हुआ था जिसमें बाइक सवार व्यक्तियों को चोट पहुंची जबकि एक बच्चा एसटी के टायर नीचे कुचल जाने से इसकी मौत हुई है । यह दुर्घटना महीसागर जिले के कडाणा तहसील में हुआ था । कडाणा के लाडपुर के पास दुर्घटना की वजह से दुखद घटना हुई थी । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को महीसागर के काडाणा तहसील के लाडपुर निकट एसटी की लोकल बस की दुर्घटना होने का समाचार सामने आया । घटनास्थल पर से प्राप्त दृश्यों में एक बस की बाइक के साथ की टक्कर हुई होने का सामने आया । टक्कर के बाद बच्चे की घटनास्थल पर ही मौत हुई थी । यह टक्कर के बाद दो व्यक्तियों को चोटें आई लेकिन सबसे दुखद बात यह थी कि एसटी की टायर के नीचे एक बच्चा कुचल जाने से मौत हुई थी । यह बच्चे के शव को निकालने के लिए मुश्किल पैदा हुई थी । बच्चा एसटी के व्हील के नीचे मृत अवस्था में फंस गया था इसके बाद जेसीबी बिना इसे निकालना संभव नहीं था । इस दौरान महीसागर पुलिस का काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया । एसटी की माणसा से पाटवेल जाती बस की टक्कर से यह बच्चे की मौत होने के बाद इसके शव को निकालने के लिए जेसीबी मंगवाया गया था । रिपोर्ट के अनुसार जेसीबी से बस ऊंची करके और टायर के नीचे फंसा हुआ

बच्चे को शव को निकाला गया । घटना की वजह से लोग डर के साथ आघात में थे । हालांकि, एसटी के यात्रियों को चोटें पहुंचने का कोई समाचार नहीं आया है । कुछ दिन पहले खेडा के कठलाल में भी एक एसटी की भीषण दुर्घटना हुई थी तब सुरक्षित सवारी मानी जाती एसटी को दुर्घटना से बचाने के लिए निगम को निश्चित कदम उठाने पड़ेगे ।

फोर्टिस हॉस्पिटल मुलुंड, मुंबई के अंग प्रत्यारोपण विशेषज्ञ ने अहमदाबाद में अंगदान जागरूकता अभियान आयोजित किया

फोर्टिस हॉस्पिटल ने अंगदान के महत्व को प्रकाश में लाने और लिवर ट्रांसप्लाांट सर्जरी के साहसी डोनर्स और प्राप्तकर्ताओं (रेसिपिएंट्स) के प्रयासों को सम्मांनित करने के लिए एक सम्मानि समारोह का आयोजन किया। यह आयोजन डॉ गौरव गुप्ता के नेतृत्व में लिवर विशेषज्ञों द्वारा आज अहमदाबाद में किया गया। इसमें जागरूकता अभियान की मेजबानी भी की गई। लिवर प्राप्त करने वाले विजय सोनी, भरत बबरिया, सुरेश देवानी, केशुभाई सकारिया और उमाकांत मिश्रा इस पहल का समर्थन करने के लिए अपने परिवारों के साथ इस समरोह में शामिल हुए।

यह पहल फोर्टिस हॉस्पिटल, मुलुंड, मुंबई के कंसल्टें ट एवं चीफ सर्जन, लिवर ट्रांसप्लां ट एवं एचपीबी सर्जरी विभाग, डॉ गौरव गुप्ता के नेतृत्व में विश्व अंग दान दिवस 2021 की पूर्व संध्या पर आयोजित की गई थी। यह पहल महामारी के दौरान अंगदान की संख्या में आई गिरावट के मद्देनजर आयोजित की गई थी। इस पहल ने महामारी के पिछले 16 महीनों के दौरान अंग प्रत्यारोपण की बढ़ती आवश्यकता और रोगियों की दुर्दशा पर प्रकाश डाला। आजकल लोगों में भय बढ़ गया है और इसलिए अंगदान और उसके प्रत्यारोपण की संख्या में भारी गिरावट आई है। इस पहल का उद्देश्य लोगों को अंगदान के महत्व के बारे में जागरूक करना और यह बताना था कि कैसे अंगदान का यह नेक काम कई लोगों की जान बचा सकता है।

फोर्टिस हॉस्पिटल, मुलुंड, मुंबई के कंसल्टें ट एवं चीफ सर्जन, लिवर ट्रांसप्लां ट एवं एचपीबी सर्जरी विभाग, डॉ गौरव गुप्ता ने कहा, "भारत में, अंग दान के नेककार्य में काफी प्रगति हुई है, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इस प्रयास को भारी झटका लगा है। समय के साथ गुजरात के लोगों में अंगदान और ट्रांसप्लांटटके बारे में जागरूकता बढ़ी है। हालांकि, अंग प्रत्यारोपण की लंबे समय से आवश्यकता रही है, खासकर लिवर की पुरानी बीमारियों वाले रोगियों के लिए। जबकि शहर में कुछ अस्पताल हैं जो प्रत्यारोपण और लिवर की देखभाल की सेवाएं प्रदान करते हैं, फिर भी लिवर के रोगियों की जरूरतें पूरी नहीं होती हैं। इसके अलावा इस महामारी ने लोगों को अपनी कोविड-19 और संबंधित बीमारियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। इसने अन्य बीमारियों को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया जिन्हें जीवन रक्षक हस्तक्षेप और तत्काल ध्यान देने की जरूरत हो सकती है। और इसीलिए विश्व अंगदान दिवस पर हम सामुदायिक शिक्षा को बढ़ाना चाहते हैं और इस कारण के बारे में उनकी शंकाओं को दूर करने में मदद करना चाहते हैं।

भाजपा सत्ता पाने के बाद जनता को नहीं भूलती : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज कहा कि भाजपा जनता के सुख में सुखी और दुःख में दुःखी रहती है। सत्ता में आने के बाद भाजपा कभी जनता को नहीं भूलती। भाजपा कार्यकर्ताओं से चलती है, जबकि कांग्रेस एक परिवार से। जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान फागवेल पहुंचे केन्द्रीय राज्य मंत्री देवूसिंह चौहाण और मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने भाथीजी महाराज के दर्शन किए। फागवेल में सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने गुजरात की जनता की ओर से केन्द्रीय राज्यमंत्री देवूसिंह चौहान को शुभकामनाएं दीं। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात के स्वर्णिम इतिहास में पहली बार है कि 8 केन्द्रीय मंत्री गुजरात के हैं। भूतकाल में कांग्रेस की सरकारों में गुजरात के साथ अन्याय होता था। गुजरात का दिल्ली में कोई सुनने वाला नहीं था। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, विदेश मंत्री गुजरात का प्रतिनिधित्व करते हैं। देवूसिंह को केन्द्र में महत्वपूर्ण विभाग दिया गया है। गुजरात की सांस्कृतिक धरोहर, धर्म स्थानों के दर्शन कर अंबाजी के आशीर्वाद से जन आशीर्वाद यात्रा की शुरुआत की थी और आज भाथीजी महाराज के दर्शन किए हैं। विजय रूपाणी ने कहा कि भाजपा जनता के दुःख में दुःखी और सुख में सुखी रहती है। सरकार बनाने के बाद भाजपा कभी जनता को भूल नहीं जाती। भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, जबकि कांग्रेस एक परिवार की पार्टी है। उन्होंने कहा कि देवूसिंह के परिवार में कोई मुख्यमंत्री या राजनेता नहीं था। भाजपा ऐसी पार्टी है जो सामान्य व्यक्ति को मंत्री बनाती है। भाजपा नेता पद को जिम्मेदारी और सत्ता को सेवा का साधन मानते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद से नरेन्द्र मोदी लोगों की अपेक्षाएं पूर्ण करने में लगे हुए हैं।

अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण की करोड़ों हिन्दुओं की अपेक्षा आज पूर्ण हो रही है। हमारा मंत्र अयोध्या में राम, युवाओं को काम, किसानों को सही दाम और महंगाई कम है। रूपाणी ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान आतंकवादियों की धमकियों के कारण कश्मीर

के श्रीनगर में कभी तिरंगा नहीं लहराया। लेकिन नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद कश्मीर में की गई कार्यवाही का असर अब दिखने लगा है। श्रीनगर में पहली बार आन, बान शान से तिरंगा लहराया गया है। जन धन योजना, उज्जवला योजना, पीएम जन स्वास्थ्य योजना, पीएम आवास योजना समेत 6 महीनों तक मुफ्त राशन देकर सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि वह गरीबों, पीड़ितों और शोषितों की सरकार है। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री देवूसिंह चौहाण ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसा राजनीतिक दल है जहां सामान्य कार्यकर्ता को मंत्री बनने का अवसर मिलता है। 3-4 लोकसभा क्षेत्रों की यात्रा के साथ जन आशीर्वाद यात्रा आज मेरे अपने जिले में पहुंची है। उन्होंने कहा कि जन आशीर्वाद यात्रा को प्रचंड समर्थन मिला है।

वैदिक इंटरनेशनल स्कूल द्वारा रक्तदान कर मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

सूरत। 75 वें स्वतंत्रता दिवस को अनोखे तरीके से मनाने के लिए वैदिक इंटरनेशनल स्कूल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। स्कूल परिसर में रक्तदान शिविर के साथ ही नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों बच्चों , अभिभावकों व स्थानीय लोगों के साथ-साथ बड़ी संख्या में रक्त यूनिट भी शामिल हुए , जिसमें रक्तदाताओं को सम्मानित भी किया गया. इंडिया ब्लड डोनर , लायंस क्लब , गोल्डन केयर हॉस्पिटल , माई डेंटल केयर , माई फिगर एंड फिट , सरदार वल्लभ पटेल ब्लड बैंक , नारी शक्ति सूरत जिला माहेश्वरी सभा डीवाईएस ग्रुप और धात माहेश्वरी समाज जैसी संस्थाओं ने इस कैंप को सफल बनाया है।

३ वर्ष में गुजराती स्कूल शुरू करने की कोई अर्जी नहीं

अहमदाबाद । ऐसे तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बच्चों की पढ़ाई के लिए स्थानीय भाषा पर जोर दे रहे हैं, लेकिन अहमदाबाद के शिक्षा क्षेत्र में परिस्थिति विपरित देखने को मिल रही है । बढ़ते अंग्रेजी के क्रेज और शिक्षा के अंग्रेज ीकरण की वजह से गुजराती माध्यम की स्कूलों का प्रभाव कम देखने को मिल रहा है । पिछले कई वर्ष से स्कूलों को शुरू करने के लिए जिला शिक्षा ऑफिस में स्थित अर्जियों में ९० फीसदी अंग्रेजी स्कूलों को शुरू करने के लिए अर्जी होती है । पिछले कई वर्षों में अंग्रेजी माध्यम के बढ़ते क्रेज की वजह से गुजराती माध्यम की स्कूलों की हालत खराब देखने को मिल रही है । धीरे-धीरे गुजराती माध्यम की स्कूलें घट रही है और अंग्रेजी माध्यम की स्कूलों में वृद्धि हो रही है । अहमदाबाद शहर के जिला शिक्षा अधिकारी हितेन्द्रसिंह पढेरिया बताते है कि, लोगों में अपने बच्चे को अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाने की इच्छा बढ़ रही है । अहमदाबाद शहर की स्थिति के अनुसार करीब १५०० स्कूलें है जिसमें से ५५० अंग्रेजी माध्यम की ज बकि ७०० गुजराती माध्यम की स्कूलों और १५० हिंदी माध्यम की स्कूलें है ।

सामान्य रूप से भी जो अज र्ी आती है इसमें ९० फीसदी अर्जी अंग्रेजी माध्यम की होती है । इसमें आश्चर्य की बात है कि पिछले तीन वर्ष में शहर में गुजराती माध्यम की स्कूल शुरू करने की कोई अर्जी नहीं आई है । हर वर्ष करीब ३० से ४० अर्जियां स्कूल शुरू करने के लिए आते है लेकिन सरकार के वर्तमान नीति-नियम के अनुसार सिर्फ ३ से ४ स्कूल मंजूर होते है । गत वर्ष में ३ अंग्रेजी स्कूल और इसके पहले वर्ष में २ अंग्रेजी स्कूल को मंजूरी दी है । इसके अलावा माध्यमिक स्क्लों में गुजराती माध्यम की कक्षा घट रही है । हर वर्ष में १५ से २० कक्षा गुजराती माध्यम की स्कूलों में घट रहे हैं । दूसरी तरफ अभिभावक बता रहे है कि फिलहाल अंग्रेजी का महत्व इतना बढ़ गया है कि बच्चे को अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाना ही पड़ेगा ।

राष्ट्रीय ध्वज के रंग के साथ जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन के युवा फैशन डिजाइनरों द्वारा रचनात्मक कार्य

छात्र द्वारा वेस्ट सस्टेननेबल कपड़े का इस्तेमाल किया गया जो पर्यावरण के लिए बिल्कुल भी हानिकारक नहीं है

सूरत। शहर के वीआईपी रोड पर स्थित प्रसिद्ध जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर तिरंगे के साथ अनोखा जश्न मनाया गया। यहां के विद्यार्थियों ने विशेष रूप से अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। राष्ट्रीय ध्वज के रंग से विद्यार्थियों ने भी अपनी प्रतिभा दिखाई। छात्र द्वारा वेस्ट सस्टेननेबल कपड़े का इस्तेमाल किया गया जो पर्यावरण के लिए बिल्कुल भी हानिकारक नहीं है। संस्थान के प्रबंधन ने भी छात्रों की रचनात्मकता की सराहना की।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)